तापमान
अधिकतम 39.4 डिग्री
न्यूनतम 18.2 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, रविवार 10 मई 2026

11 माताओं ने किया बच्चों संग रैंप वॉक और सामूहिक नृत्य

12 ऑपरेशन सिंदूर की प्रथम वर्षगांठ पर दी श्रद्धांजलि

खबर संक्षेप

डॉ. अनुराधा ने संभाला पदभार

सोनीपत। दिल्ली रोड स्थित नागरिक अस्पताल में वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (एसएमओ) डॉ. अनुराधा जैन ने शनिवार को कार्यकारी सिविल सर्जन का पदभार ग्रहण किया। पदभार संभालने के बाद उन्होंने डॉक्टरों के साथ अस्पताल के विभिन्न वार्डों का निरीक्षण किया और सफाई व्यवस्था बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए। गौरतलब है कि स्वास्थ्य विभाग मुख्यालय ने 7 मई को सिविल सर्जन डॉ. ज्योत्सना का तबादला सिरसा कर दिया था। उनके रिलीव होने के बाद मुख्यालय के आदेश पर एसएमओ डॉ. अनुराधा जैन को कार्यकारी सिविल सर्जन की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

हवाई फायरिंग करने के आरोपी गिरफ्तार

गोहाना। बरोदा पुलिस ने हवाई फायरिंग की घटना में संलिप्त तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनकी पहचान गांव कथूरा निवासी विजय उर्फ गुरु, सोहित तथा गांव बरोदा निवासी राहुल उर्फ पकौड़ा के रूप में हुई है। सहायक उप निरीक्षक सुमित को 7 मई को सूचना मिली थी कि गांव भंडेरी के पास गोहाना-महम मुख्य मार्ग पर कुछ युवकों द्वारा गाड़ी में सवार होकर हवाई फायर किए गए हैं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की और दीपक डेयरी पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। पुलिस ने आरोपियों को न्यायालय में पेश कर तीन दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है।

बाइक चोरी के आरोप में दो गिरफ्तार

गोहाना। थाना बरोदा पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी के मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान जिला रोहतक के गांव धामड़ निवासी अनिकेत उर्फ भोंदा और कार्तिक के रूप में हुई है। कथूरा निवासी चांद पुत्र भीम ने 17 मार्च को शिकायत दी थी कि वह अपनी मोटरसाइकिल खेत के पास खड़ी कर खेत में गया था। कुछ देर बाद लौटने पर मोटरसाइकिल गायब मिली। पुलिस ने जांच के दौरान दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे रिमांड पर भेजा गया है।

लोकतंत्र के महापर्व के लिए शहर तैयार 2.96 लाख वोटर्स चुनेंगे छोटी सरकार

बिट्स मोहाना से ईवीएम व मतदान सामग्री लेकर पोलिंग पार्टियां केंद्रों के लिए रवाना

शहर के 22 वार्डों में 264 मतदान केंद्र बने, शहर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

नगर निगम चुनाव के तहत मेयर और वार्ड पार्षद प्रत्याशियों का भाग्य रविवार को ईवीएम में कैद हो जाएगा। चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से संपन्न करवाने के लिए प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। शनिवार को बिट्स मोहाना से पोलिंग पार्टियों को मतदान केंद्रों के लिए रवाना किया गया। इस दौरान चुनाव ड्यूटी में तैनात कर्मचारियों को ईवीएम और मतदान सामग्री वितरित की गई। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त नेहा सिंह ने बताया कि नगर निगम चुनाव के लिए जिले में कुल 264 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। सभी केंद्रों पर सुरक्षा, पेयजल, बिजली और अन्य मूलभूत सुविधाओं के व्यापक प्रबंध किए गए हैं। मतदान कर्मियों को ईवीएम और वीवीपैट संचालन सहित चुनाव प्रक्रिया से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। नगर निगम क्षेत्र के 22 वार्डों में कुल 2 लाख 96 हजार 45 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इनमें 1 लाख 53 हजार 380 पुरुष, 1 लाख 42 हजार 658 महिला तथा 7 अन्य मतदाता शामिल हैं। प्रशासन ने मतदान प्रक्रिया को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं। सभी मतदान केंद्रों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी तथा कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

सोनीपत। ईवीएम की जांच करते पोलिंग पार्टियों के सदस्य।

सोनीपत। बिट्स मोहाना से ईवीएम लेकर रवाना होते पोलिंग पार्टी के सदस्य।

वहीं उपायुक्त ने मतदाताओं से लोकतंत्र के इस महापर्व में बढ़-चढ़कर भाग लेने और अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक की भागीदारी लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाती है। इस दौरान सोनीपत शुगर मिल की एमडी डॉ. अनमोल, बीपीएस मेडिकल कॉलेज खानपुर के अतिरिक्त निदेशक सुरेंद्र दून, डीडीपीओ मनीष मलिक, तहसीलदार कीर्ति सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

52 संवेदनशील बूथों पर विशेष नजर

नगर निगम चुनाव के दौरान पुलिस 52 वल्नरेबल बूथों पर विशेष निगरानी रखेगी। अधिकारियों द्वारा लगातार बूथों का निरीक्षण किया जाएगा और स्थिति पर नजर बनाए रखी जाएगी। चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस ने 18 स्थानों पर नाके लगाए हैं। इनमें 12 नाके नगर निगम क्षेत्र और 6 नाके सीमावर्ती क्षेत्रों में स्थापित किए गए हैं।

मतदान दिवस पर सार्वजनिक अवकाश

हरियाणा राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदान दिवस को लेकर 10 मई को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। नगर निगम क्षेत्र में स्थित फैक्ट्रियां, औद्योगिक इकाइयां, दुकानें और अन्य वाणिज्यिक संस्थान बंद रहेंगे, ताकि कर्मचारी और श्रमिक मतदान कर सकें।

पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

सोनीपत। नगर निगम चुनाव को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष ढंग से संपन्न करवाने के लिए सोनीपत पुलिस पूरी तरह सक्रिय नजर आ रही है। मतदान से एक दिन पहले शुक्रवार को पुलिस आयुक्त ममता सिंह के नेतृत्व में पुलिस बल के साथ शहर के विभिन्न क्षेत्रों में फ्लैग मार्च निकाला गया। इस दौरान पुलिस ने आमजन को सुरक्षा का संदेश देते हुए असामाजिक तत्वों को कड़ी चेतावनी भी दी। फ्लैग मार्च में पुलिस उपायुक्त मुख्यालय सोनाक्षी सिंह, डीसीपी ईस्ट मेधा भूषण, डीसीपी क्राइम नरेंद्र कादयान, डीसीपी वेस्ट कुशल पाल सिंह, डीसीपी गोहाना जितेंद्र गहलावत और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अजित सिंह समेत कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल रहे। जिला पुलिस, ट्रैफिक पुलिस, महिला पुलिस, क्राइम यूनिट, राइडर टीम और सुरक्षा बलों के जवानों ने शहर के प्रमुख मार्गों पर मार्च किया।

चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने वालों पर होगी कड़ी कार्रवाई

पुलिस का यह मार्च छोटूराम चौक, मिशन चौक, कालूपुर चुंगी, परशुराम चौक, अग्रसेन चौक, जटवाड़ा, सेक्टर-15, फाजिलपुर, रायपुर, बहालगढ़ चौक और राई-नरेला रोड से होते हुए आईटीआई चौक तक निकाला गया। इस दौरान पुलिस बल ने बाजारों और सार्वजनिक स्थलों पर गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस अधिकारियों ने व्यापारियों और स्थानीय नागरिकों से संवाद करते हुए चुनाव में शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष मतदान में सहयोग करने की अपील की। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने, अफवाह फैलाने, डराने-धमकाने या कानून व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

फर्जी पानी बिल लिंक से मोबाइल हैक, खाते से 24 लाख उड़ाए

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

पानी का बिल जमा कराने के नाम पर भेजे गए फर्जी संदेश ने एक व्यक्ति को लाखों रुपये की चपत लगा दी। साइबर ठगों ने मोबाइल हैक कर बैंक खाते से 24 लाख 72 हजार 339 रुपये निकाल लिए। मामले की शिकायत पर साइबर थाना पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। आर्य नगर निवासी जोगिंद्र ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनके मोबाइल पर एक संदेश आया, जिसमें पानी का बिल जमा न होने पर कनेक्शन काटने की चेतावनी दी गई थी।

ऐसे लगाई चपत

संदेश में निर्धारित समय से पहले भुगतान करने को कहा गया था। कुछ देर बाद व्हाट्सएप के जरिए उन्हें एक एपीके फाइल का लिंक भेजा गया। लिंक खोलने पर वह एक वेबसाइट पर पहुंचे, जहां उन्होंने अपनी जानकारी भरकर डेबिट कार्ड से भुगतान कर दिया। भुगतान के तुरंत बाद उनके खाते से

लगातार पैसे कटने लगे। साथ ही मोबाइल की कॉल और संदेश भी किसी अन्य नंबर पर फॉरवर्ड होने लगे।

पुलिस ने केस दर्ज किया

आरोप है कि साइबर ठगों ने कई ट्रांजेक्शन के माध्यम से खाते से कुल 24.72 लाख रुपये निकाल लिए। पीड़ित ने साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी फर्जी लिंक या संदिग्ध एपीके फाइल को डाउनलोड न करें और ऑनलाइन भुगतान करते समय पूरी सावधानी बरतें।

बाइकों की टक्कर में एक की मौत, दूसरा गंभीर

सोनीपत। झुंडपुर क्षेत्र में दो मोटरसाइकिलों की टक्कर में एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी घायल हो गया। हादसे के बाद दूसरी बाइक सवार मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव टांडा निवासी नरेश ने पुलिस को बताया कि उनका बेटा दीपक बिजली मरम्मत का काम करता था। वह अपने साथी रोहित के साथ बाइक पर पलड़ी गांव की ओर काम से जा रहा था। बाइक दीपक चला रहा था।परिजनों के अनुसार झुंडपुर मोड़ के पास उनकी बाइक की सामने से आ रही दूसरी बाइक से जोरदार भिड़ंत हो गई।

- झुंडपुर मोड़ के पास हादसा
- तीन बच्चों के पिता थे दीपक

टक्कर लगते ही बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे से जा टकराई। हादसे में दीपक के सिर में गंभीर चोट लगी, जबकि रोहित के पैर में चोट आई। सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे और दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने दीपक को मृत घोषित कर दिया। मृतक विवाहित था और उसके तीन बच्चे हैं। राई थाना पुलिस ने फरार बाइक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी चालक को जल्द पकड़ कर उससे पूछताछ की जाएगी।

झपटमारी की कोशिश विफल, शोर मचाते ही बाइक समेत मोबाइल छोड़ भागे आरोपी

सोनीपत। नेशनल हाईवे-44 पर मुरथल चौक के समीप मोबाइल छीनने पहुंचे दो युवकों की कोशिश एक कर्मचारी की सूझबूझ से विफल हो गई। विरोध होते देख आरोपी अपनी बाइक और छीना गया मोबाइल छोड़कर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने वाहन कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। बिहार के मधुबनी निवासी मिथलेश ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह मुरथल स्थित एक ढाबे पर कार्यरत हैं। घटना के समय वह ढाबे के बाहर खड़े थे। इसी दौरान बाइक पर आए दो युवक उनके पास रुके और पीछे बैठे युवक ने झपट्टा मारकर उनका मोबाइल छीन लिया। मोबाइल छिनते ही मिथलेश ने शोर मचाते हुए बाइक को पकड़ लिया। अचानक संतुलन बिगड़ने से बाइक सड़क पर गिर गई। आसपास लोगों की भीड़ जुटती देख दोनों आरोपी घबरा गए और मौके से भाग निकले। जल्दबाजी में वे छीना गया मोबाइल और बाइक वहीं छोड़ गए। सूचना मिलने पर मुरथल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और बाइक को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और वाहन नंबर के आधार पर आरोपितों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

मिशन एडमिशनः खरखौदा राजकीय कॉलेज में एमए भूगोल शुरू

खरखौदा। उच्चतर शिक्षा निदेशालय पंचकूला ने क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण पहल करते हुए आगामी शैक्षणिक सत्र से शहीद दलबीर सिंह राजकीय महाविद्यालय में नए पाठ्यक्रम की शुरुआत करने की घोषणा की है।

इस सत्र से पढ़ाई :सत्र 2026-27 से महाविद्यालय में एमए भूगोल कोर्स शुरू किया जाएगा, जिसके लिए 40 सीटें आवंटित की गई हैं। महाविद्यालय की

- उच्चतर शिक्षा निदेशालय ने कॉलेज को 40 सीटें आवंटित की

प्राचार्या डॉ. तराना नेगी ने बताया कि बदलती शैक्षणिक और तकनीकी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया है। नए पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को विषय से संबंधित व्यावहारिक ज्ञान, परियोजना कार्य और कौशल विकास का प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस कोर्स से विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा और रोजगार के बेहतर अवसर मिलेंगे। महाविद्यालय में अनुभवी शिक्षकों द्वारा कक्षाएं संचालित की जाएंगी तथा आधुनिक प्रयोगशाला और पुस्तकालय सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। महाविद्यालय प्रशासन के अनुसार प्रवेश प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी। कोर्स से युवाओं को नए अवसर मिलेंगे।

मरीजों को निजी सेंटरों से करवाना पड़ेगा टेस्ट

नागरिक अस्पताल में मरम्मत कार्य मरीजों पर भारी, एक्स-रे सेवा अनिश्चितकाल के लिए बंद

रात के समय सड़क दुर्घटनाओं और इमरजेंसी मामलों में आने वाले मरीजों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

दिल्ली रोड स्थित नागरिक अस्पताल में भवन निर्माण और मरम्मत कार्य के चलते शनिवार से एक्स-रे सेवा अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दी गई है। ऐसे में अस्पताल में इलाज कराने आने वाले मरीजों को एक्स-रे जांच की सुविधा नहीं मिल सकेगी। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार एक्स-रे कक्ष में मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद ही सेवाएं दोबारा शुरू की जाएंगी।

इससे पहले अस्पताल में 24 घंटे एक्स-रे सुविधा उपलब्ध थी, जिससे गंभीर मरीजों और सड़क हादसों में घायलों का समय पर

सोनीपत। दिल्ली रोड स्थित नागरिक अस्पताल।

निदान हो पाता था। अब एक्स-रे सुविधा बंद होने के कारण मरीजों को निजी सेंटरों में महंगी जांच करवाने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है।

खासकर आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों के लिए यह स्थिति परेशानी बढ़ाने वाली साबित हो सकती है। रात के समय सड़क दुर्घटनाओं और इमरजेंसी मामलों में आने वाले मरीजों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। डॉक्टरों के अनुसार कई मामलों में एक्स-रे रिपोर्ट के बिना सही उपचार संभव नहीं हो पाता, जिससे इलाज प्रभावित हो सकता है।

रोजाना करीब 2 हजार मरीज पहुंचते हैं

नागरिक अस्पताल में प्रतिदिन ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से बड़ी संख्या में मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। अस्पताल में रोजाना करीब 2 हजार मरीजों की ओपीडी होती है। ऐसे में बुनियादी जांच सुविधा बंद होने से मरीजों के साथ-साथ चिकित्सकों को भी परेशानी झेलनी पड़ सकती है।

जल्द सेवा शुरू करने का प्रयास करेंगे

मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद सेवा दोबारा शुरू कर दी जाएगी अस्पताल के एक्स-रे कक्ष में मरम्मत कार्य के चलते कुछ समय के लिए एक्स-रे सुविधा बंद की गई है। मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद सेवा दोबारा शुरू कर दी जाएगी। इससे मरीजों को थोड़ी असुविधा हो सकती है।

-राजेश दहिया, रेडियोलॉजी अधिकारी, नागरिक अस्पताल

पक्के कर्मियों का 70 फीसदी सफाई का दावा कई जगह लगे कूड़े के ढेर खोल रहे पोल

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

दमकल और सफाई कर्मियों की संयुक्त हड़ताल के बीच शनिवार को शहर में सफाई व्यवस्था को लेकर नगर निगम के दावों पर सवाल खड़े हो गए। पक्के सफाई कर्मियों ने दावा किया कि शहर में सड़कों और नालों की करीब 70 फीसदी सफाई कर दी गई है, लेकिन कई क्षेत्रों में लगे कूड़े के ढेर इन दावों की पोल खोलते नजर आए। शहर के बाजारों सहित कई वार्डों में सफाई व्यवस्था प्रभावित रही। सारंग रोड स्थित रेलवे पार्क के पास भी कूड़े का बड़ा ढेर लगा दिखाई दिया। हालांकि डोर-टू-डोर कूड़ा उठान का कार्य जारी रहा। उधर हड़ताली दमकल और सफाई कर्मियों ने नगर निगम कार्यालय के गेट पर धरना देकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। धरने की अध्यक्षता जिला प्रधान राजीव खत्री और नगर पालिका कर्मचारी संघ के इकाई प्रधान भारत कंडेरा ने की, जबकि संचालन जिला सचिव अमित दहिया और इकाई सचिव राजा भाई ने किया। भारत कंडेरा ने बताया कि लोकतंत्र पर्व के चलते रविवार को नगर निगम कार्यालय पर धरना नहीं दिया जाएगा, लेकिन सफाई व्यवस्था पहले की तरह प्रभावित रहेगी। उन्होंने चेतावनी दी कि सोमवार से पूर्ण रूप से काम बंद कर दिया जाएगा।

सोनीपत। सारंग रोड स्थित रेलवे पार्क के पास लगा कूड़े का ढेर।

गोहाना में नप सफाई कर्मचारियों ने फूंका मंत्री का पुतला

गोहाना। शनिवार को सफाई कर्मियों ने शहर में प्रदर्शन किया। नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के बैनर तले कर्मियों ने कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी का पुतला फूंका। कर्मचारी सरकार द्वारा उनकी मांगें पूरी न करने से नाराज हैं। संघ की गोहाना इकाई के अध्यक्ष प्रेम सिंह ने कहा कि सरकार कच्चे कर्मियों को पक्का नहीं कर रही है और निकाय में ठेकाप्रथा जारी है। सफाई कर्मियों की मांग है कि उन्हें समान काम के लिए समान वेतन और उचित मानदेय दिया जाए। कर्मियों ने आरोप लगाया कि भाजपा ने पक्का करने और वेतन बढ़ाने के जो वादे किए थे, उन्हें पूरा नहीं किया जा रहा है।

आईटीआर रिटर्न भरते समय बरतें सावधानी, छोटी गलती भी भारी

बिजनेस डेस्क

आयकर रिटर्न (आईटीआर) फाइल करना आज के डिजिटल दौर में पहले की तुलना में काफी आसान हो गया है, लेकिन इसमें लापरवाही की कोई गुंजाइश नहीं है। हर साल बड़ी संख्या में लोग खुद ही ऑनलाइन आईटीआर भरते हैं, फिर भी छोटी-छोटी गलतियों के कारण उनका रिटर्न अटक जाता है या उन्हें इनकम टैक्स विभाग से नोटिस मिल जाता है। कई बार लोग गलत फॉर्म चुन लेते हैं, तो कभी अपनी आय की पूरी जानकारी नहीं देते। वहीं, कुछ करदाता रिटर्न भरने के बाद उसका ई-वेरिफिकेशन करना ही भूल जाते हैं, जिससे पूरी प्रक्रिया अधूरी रह जाती है। इसके अलावा पर्सनल डिटेल्स में त्रुटि, टैक्स रिजीम का गलत चयन या फॉर्म 26एएस और एआईएस से मिलान न करना भी भारी पड़ सकता है। इसलिए जरूरी है कि आईटीआर फाइल करते समय हर स्टेप को समझदारी और सावधानी के साथ पूरा किया जाए, ताकि किसी भी तरह की परेशानी से बचा जा सके।

सही फॉर्म का चयन पहली शर्त

■ आईटीआर फाइलिंग की प्रक्रिया में सबसे अहम कदम है सही फॉर्म का चुनाव।
■ आईटीआर-1 उन व्यक्तियों के लिए है जिनकी आय सैलरी, एक मकान और अन्य स्रोतों से होती है।
■ आईटीआर-2 उन लोगों के लिए है जिनकी बिजनेस इनकम नहीं है, लेकिन अन्य स्रोतों से आय है।
■ आईटीआर-3 बिजनेस या प्रोफेशन से जुड़े लोगों के लिए होता है।
■ आईटीआर-4 अनुमानित आय वालों के लिए है।
■ गलत फॉर्म चुनने से आपका रिटर्न रिजेक्ट हो सकता है या प्रोसेस में देरी हो सकती है।

ई-वेरिफिकेशन भूलना पड़ सकता है भारी

आईटीआर फाइल करने के बाद सबसे बड़ी गलती जो लोग करते हैं, वह है उसे वेरिफाई न करना। अगर आपने 30 दिनों के भीतर अपने रिटर्न को ई-वेरिफाई नहीं किया, तो इसे मान्य नहीं माना जाएगा। आप नेट बैंकिंग, आधार ओटीपी या ईवीसी के जरिए आसानी से वेरिफिकेशन कर सकते हैं।

पर्सनल डिटेल्स में गलती रोक सकती है रिफंड

■ नाम, पता, पैन, मोबाइल नंबर, जन्मतिथि या असेसमेंट ईयर जैसी जानकारी में छोटी सी गलती भी आपके रिफंड को रोक सकती है।
■ इसलिए फॉर्म भरते समय हर जानकारी को दोबारा जांचना बेहद जरूरी है।
■ साथ ही टैक्स रिजीम (पुरानी या नई) का गलत चयन भी आपकी टैक्स देनदारी को प्रभावित कर सकता है।
■ पूरी आय का खुलासा करना जरूरी
■ -कई करदाता सिर्फ सैलरी इनकम ही दिखाते हैं और अन्य स्रोतों को नजरअंदाज कर देते हैं।

आईटीआर में हर तरह की आय दिखाएं

■ बैंक ब्याज ■ किराया ■ कैपिटल गेन■ अन्य आय
■ यहां तक कि टैक्स फ्री आय को भी दिखाना चाहिए, ताकि आप सही तरीके से छूट का दावा कर सकें।

26एएस और एआईएस से जरूर करें मिलान

■ आईटीआर भरते समय फॉर्म 26एएस और एनुएल इंफोर्मेशन स्टेटमेंट (एआईएस) का मिलान जरूरी है।
■ इनमें आपके टीडीएस, टीसीएस और एडवांस टैक्स की पूरी जानकारी होती है।
■ अगर जानकारी और इन रिकॉर्ड्स में अंतर पाया गया, तो रिफंड अटक सकता है या नोटिस मिल सकता है
■ अगर आपने एक वित्त वर्ष में एक से अधिक कंपनियों में काम किया है, तो हर कंपनी से फॉर्म 16 लेना जरूरी है। ऐसा न करने पर आपकी कुल आय गलत दिख सकती है और टैक्स कैलकुलेशन भी प्रभावित हो सकता है।

एडवांस टैक्स समय पर भरें

■ एडवांस टैक्स न भरना या देर से भरना भी एक आम गलती है। ■ इसे चार किस्तों में भरना होता है।
■ 15 जून■ 15 सितंबर■ 15 दिसंबर■ 15 मार्च
■ समय पर भुगतान नहीं तो 1% तक की पेनल्टी।

सावधानी ही बचाव

आईटीआर फाइलिंग एक जरूरी वित्तीय जिम्मेदारी है, जिसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। छोटी-छोटी गलतियां न सिर्फ आपके रिफंड को रोक सकती हैं, बल्कि आपको टैक्स नोटिस का सामना भी करना पड़ सकता है। इसलिए सही फॉर्म का चयन, सभी आय का खुलासा, दस्तावेजों का मिलान और समय पर वेरिफिकेशन ये सभी कदम बेहद महत्वपूर्ण हैं। अगर आप थोड़ी सावधानी और समझदारी से आईटीआर फाइल करते हैं, तो न सिर्फ प्रक्रिया आसान हो जाएगी, बल्कि आप किसी भी तरह की परेशानी से भी बच सकेंगे।

बाजार गिरे या चढ़े, बढ़ेगा पैसा ऐसे बनाएं निवेश का मास्टर प्लान

एक्सपर्ट के 5 फॉर्मूले अपनाने से आपका पोर्टफोलियो बनेगा 'मुनाफे की मशीन'

70:30 फॉर्मूला सुरक्षित निवेश और तेज ग्रोथ का संतुलन बनाएगा

मजबूत फंडामेंटल्स वाली कंपनियां बनती हैं लंबी रेस के घोड़े, विविधीकरण से घटेगा जोखिम

बिजनेस डेस्क

भारतीय शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव कोई नई बात नहीं है, लेकिन 2026 का बाजार पहले से ज्यादा जटिल और अवसरों से भरा हुआ नजर आ रहा है। ऐसे समय में निवेशकों के सामने सबसे बड़ा सवाल यही होता है कैसे निवेश करें, ताकि जोखिम भी कम रहे और रिटर्न भी बेहतर मिले? पर्सनल फाइनेंस एक्सपर्ट्स का मानना है कि सही रणनीति, अनुशासन और धैर्य के साथ कोई भी निवेशक अपने पोर्टफोलियो को "मुनाफे की मशीन" में बदल सकता है। आज के दौर में केवल शेयर खरीदना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि यह समझना भी जरूरी है कि किस तरह का पोर्टफोलियो हर तरह के बाजार चाहे तेजी हो या गिरावट में संतुलन बनाए रख सके। निवेश का असली खेल 'टाइमिंग' नहीं, बल्कि 'टाइम इन मार्केट' है। यानी जितना ज्यादा समय आप बाजार में टिके रहते हैं, उतना ही ज्यादा कंपाउंडिंग का फायदा मिलता है। विशेषज्ञों के अनुसार, 2026 में निवेश के लिए '70:30' का फॉर्मूला सबसे प्रभावी रणनीतियों में से एक माना जा रहा है। इस फॉर्मूले के तहत निवेशक अपने पोर्टफोलियो का 70% हिस्सा मजबूत और स्थापित कंपनियों में लगाते हैं, जिन्हें 'कोर होल्डिंग्स' कहा जाता है। ये कंपनियां मजबूत बैलेंस शीट, बेहतर मैनेजमेंट और स्थिर आय के लिए जानी जाती हैं। बाजार में गिरावट के समय यही कंपनियां आपके निवेश को सुरक्षा देती हैं। वहीं, बाकी 30% हिस्सा 'टैक्टिकल इन्वेस्टमेंट' के लिए रखा जाता है। इसमें उभरते हुए सेक्टर्स, हाई ग्रोथ कंपनियां या शॉर्ट-टर्म ट्रेंड्स को ध्यान में रखकर निवेश किया जाता है। यह हिस्सा आपके पोर्टफोलियो को अतिरिक्त ग्रोथ देने का काम करता है। इस तरह यह फॉर्मूला सुरक्षा और आक्रामक ग्रोथ के बीच संतुलन बनाता है।

गिरावट में घबराएं नहीं, मौके पहचानें, धैर्य बनाए रखें

सही कंपनी का चयन ही असली खेल

शेयर बाजार में सफल निवेश केवल सही समय पर पैसा लगाने से नहीं, बल्कि सही कंपनी चुनने से तय होता है। विशेषज्ञों के अनुसार निवेश करने से पहले कंपनी के बिजनेस मॉडल, वित्तीय स्थिति और उसकी 'इकोनॉमिक मोट' को समझना बेहद जरूरी है। 'इकोनॉमिक मोट' का अर्थ उस विशेष ताकत से है, जो किसी कंपनी को प्रतिस्पर्धियों से अलग और मजबूत बनाती है। यह ताकत मजबूत ब्रांड वैल्यू, उन्नत तकनीक, बड़ा मार्केट शेयर, कम लागत पर उत्पादन या ग्राहकों का भरोसा हो सकती है।यदि किसी कंपनी का कारोबार लगातार बढ़ रहा हो, उसका कर्ज नियंत्रित हो और प्रबंधन पारदर्शी तरीके से काम करता हो, तो बाजार में आने वाली अस्थायी गिरावट का उस पर सीमित असर पड़ता है। ऐसी कंपनियां लंबे समय में निवेशकों को स्थिर और बेहतर रिटर्न देने की क्षमता रखती हैं।विशेषज्ञों का मानना है कि केवल सोशल मीडिया ट्रेंड, अफवाहों या 'हॉट टिप्स' के आधार पर निवेश करना जोखिम बढ़ा सकता है। निवेशकों को जल्दबाजी से बचते हुए कंपनी के फंडामेंटल्स, भविष्य की संभावनाओं और बिजनेस की गुणवत्ता का गहराई से विश्लेषण करना चाहिए।

विविधीकरण और लंबी अवधि

निवेश की दुनिया में एक पुरानी कहावत है "सारे अंडे एक टोकरी में मत रखो।" यही सिद्धांत शेयर बाजार में भी लागू होता है। विविधीकरण का मतलब है अपनी पूंजी को अलग-अलग सेक्टर्स और कंपनियों में बांटना ताकि किसी एक सेक्टर में गिरावट का असर पूरे पोर्टफोलियो पर न पड़े। उदाहरण के तौर पर, अगर आप केवल आईटी सेक्टर में निवेश करते हैं और उस सेक्टर में गिरावट आती है, तो आपका पूरा निवेश प्रभावित हो सकता है। लेकिन अगर आपने फाइनेंशियल, कंजम्पशन, मैन्युफैक्चरिंग और फार्मा जैसे अलग-अलग सेक्टर्स में निवेश किया है, तो एक सेक्टर की कमजोरी दूसरे सेक्टर की मजबूती से संतुलित हो सकती है। इसके साथ ही, लंबी अवधि का नजरिया बेहद जरूरी है। कई निवेशक छोटी-छोटी गिरावट से घबरा जाते हैं और जल्दबाजी में अपने निवेश को बेच देते हैं। लेकिन इतिहास बताता है कि जो निवेशक लंबे समय तक टिके रहते हैं, वही असली फायदा उठाते हैं। कंपाउंडिंग की ताकत समय के साथ ही काम करती है और धीरे-धीरे आपकी संपत्ति को कई गुना बढ़ा देती है और आपको पता भी नहीं चलता।

भावनाओं पर नियंत्रण सफल निवेशक की असली पहचान

शेयर बाजार में सफलता केवल ज्ञान या जानकारी से नहीं मिलती, बल्कि आपके व्यवहार और मानसिकता पर भी निर्भर करती है। बाजार में गिरावट के समय घबराहट और तेजी के समय लालच ये दोनों भावनाएं निवेशकों को गलत फैसले लेने पर मजबूर करती हैं। एक सफल निवेशक वही होता है जो इन भावनाओं पर नियंत्रण रख सके। जब बाजार गिरता है, तो उसे खतरे के बजाय अवसर के रूप में देखना चाहिए बशर्ते कंपनी के फंडामेंटल्स मजबूत हों। वहीं, तेजी के दौर में बिना सोचे-समझे निवेश करने से बचना चाहिए। एक तरह से निवेश में 'इमोशनल फायरवॉल' बनाना जरूरी है, जो आपको बाजार के शोर से दूर रखे और आपके फैसलों को तार्किक बनाए रखे। अनुशासन और धैर्य ही लंबे समय में बड़ी संपत्ति बनाने का आधार होते हैं।

सादगी, अनुशासन व धैर्य ही असली मंत्र

2026 के बदलते आर्थिक माहौल में निवेश करना चुनौतीपूर्ण जरूर है, लेकिन असंभव नहीं। अगर आप 70:30 का संतुलित फॉर्मूला अपनाते हैं, मजबूत फंडामेंटल्स वाली कंपनियों को चुनते हैं, अपने निवेश को विविध बनाते हैं और भावनाओं पर नियंत्रण रखते हैं, तो बाजार की हर स्थिति में अपनी संपत्ति को बढ़ा सकते हैं। याद रखें, शेयर बाजार में कोई शॉर्टकट नहीं होता। यहां सफलता उन्हीं को मिलती है जो धैर्य रखते हैं, अनुशासन का पालन करते हैं और लंबी अवधि के लिए निवेश करते हैं। अगर आप इन सिद्धांतों पर टिके रहते हैं, तो बाजार चाहे गिरे या चढ़े आपकी दौलत लगातार बढ़ती जाएगी।

डिफेंस म्यूचुअल फंड्स में 25% की छलांग मौका या जोखिम? ऐसे में क्या करें निवेशक

- एक माह की रैली ने निवेशकों के लिए बढ़ाया आकर्षण
- लेकिन एक्सपर्ट्स ने दे दी सावधानी बरतने की सलाह
- जियोपॉलिटिकल हालात व बढ़ते रक्षा खर्च ने दी रफ्तार
- चक्रीय प्रकृति वाला डिफेंस सेक्टर, उतार-चढ़ाव को रहें तैयार

पिछले एक महीने में डिफेंस सेक्टर से जुड़े म्यूचुअल फंड्स ने करीब 20% से 25% तक का शानदार रिटर्न दिया है। इतनी तेज बढ़त ने निवेशकों का ध्यान अपनी ओर खींचा है और कई लोग इस सेक्टर में निवेश के अवसर तलाशने लगे हैं। लेकिन बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि इस तेजी के पीछे मजबूत फंडामेंटल्स से ज्यादा जियोपॉलिटिकल कारण और बाजार का मोमेंटम जिम्मेदार है। ऐसे में बिना सोचे-समझे निवेश करना जोखिम भरा साबित हो सकता है। जानकारों के अनुसार, निवेशकों को सिर्फ हालिया रिटर्न देखकर फैसले नहीं लेने चाहिए। बाजार में छोटी अवधि की तेजी अक्सर बाहरी घटनाओं से प्रभावित होती है, जबकि लंबी अवधि में किसी भी निवेश का प्रदर्शन उसकी कमाई, वैल्यूएशन और बिजनेस ग्रोथ पर निर्भर करता है।

जियोपॉलिटिकल तनाव बना तेजी का बड़ा कारण

डिफेंस सेक्टर में आई हालिया तेजी का मुख्य कारण वैश्विक स्तर पर बढ़ते तनाव और युद्ध जैसी परिस्थितियां हैं। जब दुनिया में अस्थिरता बढ़ती है, तो सरकारें रक्षा खर्च बढ़ाती हैं, जिससे इस सेक्टर की कंपनियों को अधिक ऑर्डर मिलने लगते हैं। इसका सीधा असर इन कंपनियों के शेयरों और उनसे जुड़े म्यूचुअल

फंड्स पर पड़ता है। हालांकि लंबे समय में डिफेंस सेक्टर की संभावनाएं मजबूत हैं जैसे कि भारत में स्वदेशीकरण को बढ़ावा, बढ़ता रक्षा बजट और मजबूत ऑर्डर बुक, लेकिन इस सेक्टर में प्रोजेक्ट्स को पूरा होने में समय लगता है।

'मोमेंटम फेज' में है डिफेंस सेक्टर

फिलहाल डिफेंस सेक्टर एक 'मोमेंटम फेज' से गुजर रहा है। यानी बाजार में तेजी से पैसा आ रहा है और निवेशकों का झुकाव इस सेक्टर की ओर बढ़ गया है। एक ही महीने में 20-25% तक का रिटर्न इस बात का संकेत है कि कीमतें कंपनियों के वास्तविक प्रदर्शन से ज्यादा बाजार की भावना और निवेश के फ्लो से प्रभावित हैं।

एसआईपी बनाम लंपसम : कैसे करें निवेश?

हालिया तेजी के बाद डिफेंस सेक्टर के वैल्यूएशन ऊंचे हो चुके हैं। ऐसे में एकमुश्त (लंपसम) निवेश करना जोखिम भरा हो सकता है। इसके बजाय एसआईपी (सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) के जरिए धीरे-धीरे निवेश करना बेहतर विकल्प है। एसआईपी का फायदा यह है कि निवेशक बाजार के उतार-चढ़ाव को औसत कर सकता है और जोखिम को कम कर सकता है।

डाइवर्सिफिकेशन ही सुरक्षित रास्ता

एक्सपर्ट्स का मानना है कि सीधे डिफेंस सेक्टर में निवेश करने के बजाय डाइवर्सिफाइड इक्विटी फंड्स में निवेश करना ज्यादा सुरक्षित है। जैसे फ्लेक्सी कैप, मल्टी कैप और लार्ज एंड मिड कैप फंड्स—ये विभिन्न सेक्टर्स में निवेश करते हैं और जोखिम को संतुलित रखते हैं। इन फंड्स में डिफेंस सेक्टर का एक्सपोजर भी होता है, लेकिन यह सीमित होता है, जिससे निवेशक को इस सेक्टर की ग्रोथ का फायदा तो मिलता है, लेकिन जोखिम कम रहता है। डिफेंस म्यूचुअल फंड्स में हालिया तेजी आकर्षक जरूर है, लेकिन यह स्थायी नहीं हो सकती। निवेशकों को केवल शॉर्ट टर्म रिटर्न देखकर निर्णय लेने से बचना चाहिए।

रिस्क है, लेकिन सही प्लान के साथ यही बन सकता है सबसे बड़ा मौका

धैर्य, मेहनत और स्मार्ट प्लानिंग से शुरू करें काम

जॉब छोड़ें व बन जाएं खुद के बॉस, कम निवेश में तगड़ी कमाई के रास्ते बदलते दौर में नौकरी नहीं, स्किल और सोच भी बन रही है असली ताकत

आइडिया

बिजनेस डेस्क

आज के दौर में सिर्फ नौकरी पर निर्भर रहना कई लोगों को सीमित लगता है। बढ़ती महंगाई, सीमित सैलरी ग्रोथ और काम का दबाव ये सभी कारण लोगों को खुद का बिजनेस शुरू करने की ओर प्रेरित कर रहे हैं। हालांकि नौकरी छोड़कर बिजनेस शुरू करना एक बड़ा और जोखिम भरा फैसला होता है, लेकिन सही योजना, स्किल और मार्केट की समझ के साथ यह कदम आपकी जिंदगी बदल सकता है। अगर आप भी अपने करियर में बदलाव चाहते हैं और खुद का काम शुरू करने की सोच रहे हैं, तो मौजूदा ट्रेंड्स के आधार पर कुछ ऐसे बिजनेस आइडियाज हैं, जिन्हें कम निवेश में शुरू करके अच्छा मुनाफा कमाया जा सकता है। खास बात यह है कि इनमें से ज्यादातर काम आप अपनी मौजूदा स्किल्स के दम पर ही शुरू कर सकते हैं। इससे आप खुद के बॉस बनकर अच्छी कमाई कर सकते हैं और अपने भविष्य को सुरक्षित कर सकते हैं।

नौकरी छोड़कर बिजनेस शुरू करना बड़ा और चुनौतीपूर्ण फैसला होता है। इसमें केवल उत्साह ही नहीं, बल्कि सही रणनीति, धैर्य और लगातार मेहनत की भी जरूरत होती है। बिना तैयारी या केवल दूसरों को देखकर लिया गया निर्णय कई बार आर्थिक और मानसिक दबाव बढ़ा सकता है।

सही योजना बदल सकती है जिंदगी

नौकरी छोड़कर बिजनेस शुरू करना आसान नहीं है, लेकिन सही दिशा में उठाया गया कदम आपकी पूरी जिंदगी बदल सकता है। इन 5 बिजनेस आइडियाज की खासियत यह है कि ये वर्तमान ट्रेंड्स पर आधारित हैं और इनमें ग्रोथ की जबरदस्त संभावनाएं हैं। अगर आप धैर्य, मेहनत और स्मार्ट प्लानिंग के साथ काम करते हैं, तो शुरुआत छोटी हो सकती है, लेकिन सफलता बड़ी जरूर होगी। हालांकि नौकरी छोड़कर बिजनेस शुरू करना एक बड़ा और चुनौतीपूर्ण फैसला होता है। इसमें केवल उत्साह ही नहीं, बल्कि सही रणनीति, धैर्य और लगातार मेहनत की भी जरूरत होती है। बिना तैयारी या केवल दूसरों को देखकर लिया गया निर्णय कई बार आर्थिक और मानसिक दबाव बढ़ा सकता है। इसलिए किसी भी नए बिजनेस की शुरुआत से पहले अपने कौशल, अनुभव, बजट और बाजार की वास्तविक जरूरतों को समझना बेहद जरूरी है।

कंसल्टेंसी/फ्रीलांसिंग : अनुभव कमाई का जरिया

आज का समय 'स्किल इकॉनमी' का है, जहां आपकी योग्यता ही आपकी सबसे बड़ी पूंजी होती है। अगर आपने किसी कॉर्पोरेट सेक्टर में काम किया है जैसे आईटी, मार्केटिंग, एचआर या फाइनेंस तो आप आसानी से कंसल्टेंसी या फ्रीलांसिंग एजेंसी शुरू कर सकते हैं। इस बिजनेस में आपको बड़े ऑफिस या भारी निवेश की जरूरत नहीं होती। एक लैपटॉप, अच्छा इंटरनेट और प्रोफेशनल नेटवर्क ही आपकी शुरुआत के लिए काफी हैं। शुरुआत में आप छोटे क्लाइंट्स के साथ काम करके धीरे-धीरे अपनी टीम बना सकते हैं। कंसल्टेंसी बिजनेस की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें कमाई की कोई सीमा नहीं होती। शुरुआती स्तर पर ही 50 हजार से 1.5 लाख रुपये महीना कमाना संभव है।

क्लाउड किचन : खाने के बिजनेस में मौका

खाने-पीने का बिजनेस हमेशा से लाभदायक रहा है, लेकिन अब इसका स्वरूप बदल चुका है। आज लोग रेस्टोरेंट जाने के बजाय घर बैठे खाना ऑर्डर करना ज्यादा पसंद करते हैं। यही वजह है कि क्लाउड किचन तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। क्लाउड किचन की खासियत यह है कि इसमें आपको रेस्टोरेंट की तरह महंगा सेटअप या बड़ी जगह की जरूरत नहीं होती। आप अपने घर से या छोटे किचन स्पेस से भी शुरुआत कर सकते हैं। ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म पर रजिस्ट्रेशन करके आप अपने प्रोडक्ट को बड़े बाजार तक पहुंचा सकते हैं। इस बिजनेस में लागत अपेक्षाकृत कम होती है, जबकि मुनाफे की संभावना ज्यादा होती है। सही क्वालिटी और मार्केटिंग के साथ आप पहले ही महीने से अच्छी कमाई शुरू कर सकते हैं।

ई-कॉमर्स/ड्रॉपशिपिंग : स्मार्ट तरीका

डिजिटल इंडिया के इस दौर में ऑनलाइन बिजनेस तेजी से बढ़ रहा है। ई-कॉमर्स और ड्रॉपशिपिंग ऐसे मॉडल हैं, जिनमें आप बिना ज्यादा निवेश के अपना ऑनलाइन स्टोर शुरू कर सकते हैं। ड्रॉपशिपिंग की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें आपको प्रोडक्ट स्टॉक करने की जरूरत नहीं होती। जब ग्राहक ऑर्डर करता है, तो सप्लायर सीधे उस प्रोडक्ट को ग्राहक तक पहुंचाता है। इससे आपको गोदाम या इन्वेंट्री की चिंता नहीं रहती। यह बिजनेस पूरी तरह से ऑटोमेशन और डिजिटल मार्केटिंग पर आधारित है। सही रणनीति के साथ आप घर बैठे ही अच्छी कमाई कर सकते हैं। टेक गैजेट्स, किचन आइटम्स, हैंडीक्राफ्ट्स और इको-फ्रेंडली प्रोडक्ट्स जैसे सेगमेंट में काफी संभावनाएं हैं। यह बिजनेस धीरे-धीरे आपको 'पैसिव इनकम' का स्रोत भी दे सकता है, जहां आप सोते हुए भी कमाई कर सकते हैं।

ईवी चार्जिंग/ग्रीन एनर्जी : कल बनें लीडर

इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती लोकप्रियता ने एक नए बिजनेस सेक्टर को जन्म दिया है ईवी चार्जिंग स्टेशन। आने वाले वर्षों में यह सेक्टर तेजी से बढ़ने वाला है, जिससे इसमें निवेश करने वालों के लिए बड़े अवसर पैदा हो रहे हैं। आप रेजिडेंशियल सोसाइटी, मॉल या कमर्शियल एरिया में ईवी चार्जिंग पॉइंट लगाकर अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। इसके साथ ही, ईवी मेंटेनेंस और रिपेयरिंग सर्विस जोड़कर अपनी आय को और बढ़ा सकते हैं। हालांकि इस बिजनेस में शुरुआती निवेश थोड़ा ज्यादा होता है, लेकिन इसकी लॉन्ग-टर्म संभावनाएं बेहद मजबूत हैं। अगर आप शुरुआती दौर में इस सेक्टर में कदम रखते हैं, तो आने वाले समय में बड़ी सफलता हासिल कर सकते हैं।

डिजिटल कंटेंट/ऑनलाइन कोर्स

अगर आपके पास किसी विषय की गहरी जानकारी है चाहे वह स्टॉक मार्केट हो, पढ़ाई, फिटनेस, कुकिंग या टेक्नोलॉजी तो आप उसे डिजिटल कंटेंट या ऑनलाइन कोर्स के रूप में बदल सकते हैं। आज के समय में यूट्यूब, सोशल मीडिया और ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म्स के जरिए लाखों लोग अपनी स्किल्स को बिजनेस में बदल रहे हैं। इस मॉडल की खासियत यह है कि इसमें आप खुद का ब्रांड बनाते हैं और आपकी कमाई आपकी मेहनत और पहचान पर निर्भर करती है। शुरुआत में आपको एक अच्छे स्मार्टफोन, माइक्रोफोन और बेसिक एडिटिंग सेटअप की जरूरत होती है। जैसे-जैसे आपका कंटेंट लोकप्रिय होता है, आपकी कमाई भी तेजी से बढ़ती जाती है। यह बिजनेस आपको नाम, पैसा और स्वतंत्रता तीनों देता है।

पहली ईएमआई चल रही है, फिर भी चाहिए लोन?

- एफओआईआर का खेल : इनकम का कितना हिस्सा ईएमआई में जा रहा
- ईएमआई ज्यादा तो लोन मुश्किल, बैंक कैसे तय करते हैं आपकी क्षमता
- लोन का टाइप भी अहम : होम, पर्सनल या क्रेडिट कार्ड का फर्क

सावधानी

बिजनेस डेस्क

आज के समय में लगभग हर दूसरा व्यक्ति किसी न किसी लोन की ईएमआई चुका रहा है। चाहे वह होम लोन हो, कार लोन या फिर क्रेडिट कार्ड का बकाया। ऐसे में जब अचानक पैसों की जरूरत पड़ती है, तो सबसे बड़ा सवाल यही उठता है कि क्या पहले से ईएमआई चलने के बावजूद नया लोन मिल सकता है? जवाब है हां, मिल सकता है, लेकिन इसके लिए कुछ जरूरी शर्तों को पूरा करना होता है। बैंक सिर्फ आपकी सैलरी देखकर लोन मंजूर नहीं करते, बल्कि यह भी देखते हैं कि आपकी आय का कितना हिस्सा पहले से ईएमआई में जा रहा है और आपके पास कितना पैसा बच रहा है। यही गणित तय करता है कि आप नए लोन के लिए योग्य हैं या नहीं।

ईएमआई घटाएं, लोन की राह बनाएं, छोटे बदलाव का बड़ा असर

एफओआईआर क्या है

जब आप किसी बैंक या फाइनेंशियल संस्थान में लोन के लिए आवेदन करते हैं, तो सबसे पहले आपकी आय और खर्च का विश्लेषण किया जाता है। इसमें एक अहम भूमिका निभाता है एफओआईआर यानी फिक्स्ड ऑब्जेक्शन टू इनकम रेशियो। एफओआईआर यह बताता है कि आपकी कुल मासिक आय का कितना हिस्सा पहले से चल रही ईएमआई में खर्च हो रहा है। उदाहरण के तौर पर, अगर आपकी सैलरी 1 लाख रुपये है और आप 40,000 रुपये ईएमआई दे रहे हैं, तो आपका एफओआईआर 40% होगा। बैंक आमतौर पर 50% से कम एफओआईआर को सुरक्षित मानते हैं। अगर यह अनुपात 60% या उससे ज्यादा हो जाता है, तो बैंक को लगता है कि आप पर कर्ज का बोझ ज्यादा है, जिससे नए लोन की मंजूरी मुश्किल हो सकती है।

ईएमआई ज्यादा होने पर मुश्किल

जितनी ज्यादा आपकी मौजूदा ईएमआई होगी, उतनी ही कम आपकी नई लोन लेने की क्षमता होगी। बैंक यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि आप नया लोन भी बिना किसी परेशानी के चुका सकें। अगर आपकी आय का बड़ा हिस्सा पहले से ईएमआई में जा रहा है, तो बैंक के लिए यह जोखिम बढ़ जाता है कि आप भविष्य में भुगतान करने में चूक कर सकते हैं। इसी वजह से ज्यादा ईएमआई वाले ग्राहकों को या तो लोन नहीं मिलता या फिर कम राशि का लोन ऑफर किया जाता है।

लोन का प्रकार भी करता है असर

■ सिर्फ ईएमआई की राशि ही नहीं, बल्कि यह भी मायने रखता है कि आपका लोन किस प्रकार का है।
■ होम लोन : इसे सबसे सुरक्षित माना जाता है, क्योंकि इसके बदले संपत्ति गिरवी होती है।
■ कार लोनः मध्यम जोखिम की श्रेणी में आता है।
■ पर्सनल लोनः इसमें जोखिम ज्यादा होता है, क्योंकि यह बिना किसी गारंटी के दिया जाता है।
■ क्रेडिट कार्ड बकायाः इसे सबसे ज्यादा जोखिम वाला माना जाता है।
■ बैंक ऐसे ग्राहकों को प्राथमिकता देते हैं, जिनका कर्ज संतुलित और नियंत्रित होता है। अगर आपके पास ज्यादा अनसिक्योर्ड लोन (जैसे पर्सनल लोन या क्रेडिट कार्ड) हैं, तो नया लोन मिलने में दिक्कत हो सकती है।

क्या ईएमआई कम करके बढ़ा सकते हैं लोन की संभावना?

अगर आप नया लोन लेना चाहते हैं, तो अपनी मौजूदा ईएमआई को कम करना एक अच्छा उपाय हो सकता है। इसके लिए आप छोटे-छोटे लोन पहले बंद कर सकते हैं। मान लीजिए आपकी सैलरी 1 लाख रुपये है और ईएमआई 50,000 रुपये है (एफओआईआर = 50%)। अगर आप 5,000 रुपये की ईएमआई वाला लोन बंद कर देते हैं, तो एफओआईआर घटकर 45% हो जाएगा। इससे आपकी लोन लेने की क्षमता बढ़ सकती है। हालांकि, यह ध्यान रखना जरूरी है कि लोन बंद करने के बाद इसका असर आपके क्रेडिट रिकॉर्ड में दिखने में 30–45 दिन का समय लग सकता है।

क्रेडिट स्कोर बनाम ईएमआई

लोन लेते समय क्रेडिट स्कोर भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आमतौर पर 750 या उससे अधिक का स्कोर अच्छा माना जाता है और इससे बैंक का भरोसा बढ़ता है। लेकिन सिर्फ अच्छा क्रेडिट स्कोर होना ही काफी नहीं है। अगर आपकी ईएमआई पहले से ज्यादा है और एफओआईआर उच्च स्तर पर है, तो लोन मिलने में परेशानी हो सकती है।

सरल शब्दों में ऐसे समझें

■ क्रेडिट स्कोर बैंक का भरोसा बढ़ाता है
■ एफओआईआर (ईएमआई का बोझ) तय करता है कि कितना लोन मिलेगा
■ नया लोन लेने से पहले ध्यान रखें ये बातें
■ अपनी सभी ईएमआई की सही जानकारी बैंक को दें, कुछ भी छिपाने की कोशिश न करें।
■ कोशिश करें कि आपकी कुल ईएमआई आपकी आय के 40% के आसपास ही रहे।
■ छोटे और अनावश्यक लोन को पहले बंद करें।
■ क्रेडिट कार्ड का बकाया समय पर चुकाएं।
■ खर्च और कर्ज के बीच संतुलन बनाए रखें।
■ सही बैलेंस से ही मिलेगा नया लोन

सही संतुलन बनाए रखें

अगर आपके ऊपर पहले से ईएमआई चल रही है, तो इसका मतलब यह नहीं है कि आपको नया लोन नहीं मिल सकता। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि आप अपनी आय, खर्च और कर्ज के बीच सही संतुलन बनाए रखें। एफओआईआर को नियंत्रित रखना, क्रेडिट स्कोर अच्छा बनाए रखना और अनावश्यक कर्ज से बचना— ये तीन बातें आपको आसानी से नया लोन दिला सकती हैं। सही प्लानिंग के साथ आप न सिर्फ नया लोन ले सकते हैं, बल्कि अपनी वित्तीय स्थिति को भी मजबूत बना सकते हैं।

विद्यार्थियों ने अपनी माताओं के सम्मान में गीत, कविता, नृत्य, नाटक तथा सुभाषण प्रस्तुत किए

माताओं ने किया बच्चों संग रैंप वॉक और सामूहिक नृत्य

मां होती है हमारे जीवन की पहली गुरु

खरखौदा। द स्टैनफोर्ड स्कूल के बच्चों संग नृत्य करती माताएं

हरिभूमि न्यूजर ▶▶| खरखौदा

द स्टैनफोर्ड स्कूल, थाना खुर्द में मदर्स डे के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसकी शुरुआत सरस्वती वंदना और दीप प्रज्वलन से की गई। विद्यार्थियों ने अपनी माताओं के सम्मान में गीत, कविता, नृत्य, भावुक नाटक तथा सुभाषण प्रस्तुत किए। विद्यालय के चेयरमैन उत्सव दहिया और निर्देशिका पूजा दहिया ने अपने संबोधन में कहा कि माँ हमारे जीवन की पहली गुरु होती हैं और उनका सम्मान करना प्रत्येक बच्चे का कर्तव्य है। कार्यक्रम में बच्चों ने अपनी माताओं के लिए सुंदर कार्ड और उपहार भी तैयार किए। इस अवसर पर माताओं के लिए कई मनोरंजक खेलों का भी आयोजन किया गया। उपस्थित माताओं ने अपने बच्चों के साथ नृत्य, रैंप वॉक और सामूहिक नृत्य भी किया। विद्यालय परिवार के अध्ययन क्षेत्र के हैड योगेश वत्स और शिक्षक नीलम कथुरिया, राशि, मीना, प्रियांशी, अंजलि, रितु बाल्यान की ओर से सभी माताओं के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त किया गया।

बच्चों ने मां के प्रति अपने प्रेम व सम्मान को किया प्रकट

सोनीपत। ज्ञान गंगा ग्लोबल स्कूल (जी-3) में छात्र-छात्राओं ने हर्षोल्लास के साथ मदर्स डे मना कर मां के प्रति प्रेम व सम्मान को प्रकट किया। छात्र -छात्राओं ने नाटक, समूह नृत्य, कविता, गीत, पेंटिंग व पोस्टरों के माध्यम से मां के त्याग व उनकी ममता को नमन किया। बच्चों ने गीत-संगीत की धुनों पर आकर्षक प्रस्तुति देकर मां के प्रति प्रेम को दर्शाया। स्कूल के चेयरमैन सुधीर जैन, डायरेक्टर ध्रुव जैन व प्राचार्या गीता चोपड़ा ने बच्चों व उनकी माताओं को मदर्स डे की शुभकामनाएं दी। सुधीर जैन ने कहा कि मां हमारी पहली शिक्षक होती है, जो हमें अच्छे संस्कार, नैतिकता और अनुशासन सिखाती है। इस दिन का उद्देश्य मां के प्रति हमारे प्रेम और कृतज्ञता को व्यक्त करना है। यह दिन हमें यह याद दिलाता है कि हमें अपनी मां को प्रतिदिन सम्मान देना चाहिए। इस मौके पर नीरजा, गीता राणा, मोनिका, नमिता, मधु, मीनाक्षी, महक, सुविधा, पलक, निशा, राखी, पारुल, योगिंद्र, संजीत आदि अध्यापक-अध्यापिकाएं मौजूद रहे।

मॉम फेस्ट में बच्चों ने दी मनमोहक प्रस्तुतियां

सोनीपत। गेटवे इंटरनेशनल स्कूल में मदर्स डे के उपलक्ष्य में मोम फेस्ट का आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. अमित राय और अनीता गोयल मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ, जिसमें विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रेम कुमार ओझा, विद्यालय संरक्षक पल्लवी, अंजू मंगला एवं करिकुलम हेड दीप्ति गोयल उपस्थित रहे। कार्यक्रम में छोटे-छोटे बच्चों एवं उनकी शिक्षिकाओं द्वारा मनमोहक प्रस्तुति दी गई।

मां के सम्मान में सजा साउथ पॉइंट स्कूल रंगारंग प्रस्तुतियों से गूंजा मदर्स डे समारोह

सोनीपत। साउथ पॉइंट स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न खिताबों से नवाजी गई मदर्स सीईओ भावना कालरा व अन्य के साथ।

सोनीपत। मदर्स डे के उपलक्ष्य में साउथ पॉइंट स्कूल में भव्य एवं भावनात्मक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बच्चों ने अपनी माताओं के सम्मान में मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। गीत, नृत्य और विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों ने उपस्थित अभिभावकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में बच्चे अपनी माताओं के साथ पहुंचे, जहां पूरे परिसर में उत्साह और खुशी का माहौल देखने को मिला। स्कूल प्रशासन की ओर से माताओं के लिए भी विभिन्न मनोरंजक एवं सहभागिता आधारित गतिविधियों का आयोजन किया गया। माताओं ने बच्चों के साथ मिलकर कार्यक्रमों में भाग लिया और यादगार क्षण सांझा किए। इस दौरान मदर्स को विभिन्न खिताबों से नवाजा गया। साउथ पॉइंट ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन दिलबाग सिंह खत्री ने बच्चों को मदर्स डे का महत्व बताते हुए कहा कि मां जीवन की पहली गुरु होती है और उनके सम्मान एवं सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है। उन्होंने बच्चों को हमेशा अपनी मां का आदर करने और उनके संस्कारों को जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। एग्जीक्यूटिव चेयरमैन रोहित खत्री ने कहा कि मदर्स डे केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि मां के त्याग, प्रेम और समर्पण के प्रति आभार व्यक्त करने का अवसर है। बच्चों की प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को भावुक और यादगार बना दिया। वाइस चेयरपर्सन वर्तिका खत्री ने कहा कि मां और बच्चे का रिश्ता सबसे अनमोल होता है।

■ मदर्स के लिए आयोजित हुई विशेष गतिविधियां, बच्चों संग बिताए यादगार पल

गोहाना। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली माताएं स्कूल प्रबंधन समिति के साथ।

मातृ दिवसः रोल मॉडल का टैग माता किरण को मिला

गोहाना। ग्लोबल पब्लिक स्कूल, खानपुर कलां में शनिवार को आयोजित मातृ दिवस कार्यक्रम में माताओं के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। मातृशक्ति ने प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का सराहनीय प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि भाजपा जिला गोहाना की प्रभारी डॉ. किरण कलकल, कासंडा गांव की सरपंच बबीता और मोई माजरी गांव की सरपंच पूनम थीं। मार्गदर्शन स्कूल की चेयरपर्सन उमा जाले, एमडी पंकज जाले और वरुण का रहा। संयुक्त अध्यक्षता प्राचार्या डॉ. प्रीति शर्मा और ग्लोबल किड्स कासल की प्रभारी नेहा ने की। प्रतियोगिताओं में प्रदर्शन के आधार पर माताओं को अलग-अलग टैग देकर सम्मानित किया गया। वेल एलिगेंट ड्रेस का टैग डिंपल को मिला, स्वीट स्माइल का टैग संजू को मिला, एक्स्ट्राऑर्डिनरी का टैग प्रमिला को मिला, बेस्ट ड्रेस्ड का टैग रमन को मिला, रोल मॉडल का टैग किरण को मिला, डिफरेंट इन ऑन वे मॉडेस्ट का टैग निशा को मिला और सुपर मॉम का टैग प्रियंका को दिया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए।

गोहाना। विजेता माताओं को पुरस्कृत करते हुए शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

माताओं ने मंच पर बिखेरी अपनी कला प्रतिभा की छटा

गोहाना। मातृ दिवस पर जेकेआर पब्लिक स्कूल गोहाना में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। माताओं ने मंच पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों में अपनी कला प्रतिभा की अनूठी छटा बिखेरते हुए दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। इस कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण का केंद्र हरियाणवी समूह व एकल लोक नृत्य रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के चेयरमैन राजबीर राठी ने दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया। अध्यक्षता प्रबंधक उत्तम राठी ने की जबकि संयुक्त संयोजन प्राचार्य महेंद्र शर्मा और मुख्य अध्यापिका संगीता मुंजाल का रहा। प्राचार्य ने माताओं के सम्मान में प्रेरणादायक विचार प्रस्तुत किए तथा मां के जीवन में महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मां परिवार की शक्ति और बच्चों की पहली गुरु होती है। विद्यार्थी जीवन में हमेशा अपने माता-पिता का आदर करें और उनकी प्रेरणा एवं शिक्षाओं के साथ आगे बढ़ें।

माता-पिता के त्याग को समझें बच्चेः सुबोध

खरखौदा। माताओं का सम्मान करते हुए प्रताप स्कूल प्रबंधन

खरखौदा। प्रताप सिंह मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल खरखौदा में मातृ दिवस के अवसर पर एक भव्य एवं भावनात्मक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में माताओं के प्रति सम्मान, प्रेम एवं कृतज्ञता की भावना को विकसित करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्राचार्या दया दहिया, एकेडमिक डायरेक्टर डॉ सुबोध दहिया व डॉ दीपिका दहिया द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इसके पश्चात विद्यार्थियों द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम में विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों ने माँ के सम्मान में गीत, कविता,भाषण एवं मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किए। छोटे बच्चों की आकर्षक प्रस्तुतियों ने उपस्थित अभिभावकों एवं अतिथियों का मन मोह लिया। विद्यार्थियों ने अपनी माताओं के लिए विशेष संदेश एवं शुभकामना कार्ड भी भेंट किए। प्राचार्या दया दहिया ने अपने संबोधन में कहा कि माँ हमारे जीवन की प्रथम गुरु होती है। वह अपने बच्चों को संस्कार, अनुशासन और जीवन जीने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि बच्चों को सदैव अपने माता-पिता का सम्मान करना चाहिए तथा उनके त्याग और प्रेम को समझना चाहिए। एकेडमिक डायरेक्टर डॉ सुबोध दहिया ने कहा कि मातृ दिवस केवल एक दिवस नहीं, बल्कि माँ के प्रति आदर एवं कृतज्ञता व्यक्त करने का विशेष अवसर है।
9 केकेडी 2. माताओं का सम्मान करते हुए प्रताप स्कूल प्रबंधन

समाज और परिवार में मां का स्थान सर्वोच्च : सुमन

खरखौदा। विद्यार्थियों के साथ प्रधानाचार्या सुमन दहिया।

खरखौदा। दिल्ली मार्ग स्थित जेबीएच सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रांगण में मातृ दिवस बड़े ही उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर स्कूल प्रबंधन द्वारा एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में छात्र-छात्राओं की माताओं को आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम की शुरुआत स्कूल के प्रधानाचार्या सुमन दहिया और प्रबंध समिति के सदस्यों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करके की गई। विद्यार्थियों ने गीत, नृत्य,कविता,भाषण के माध्यम से माताओं के प्रति अपने प्यार व सम्मान को प्रदर्शित किया। माताओं के लिए 'म्यूजिकल चेयर', 'बिंदी लगाओ' और 'बिना आग के खाना बनाना' आदि प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। स्कूल की प्रधानाचार्या सुमन दहिया ने कहा कि एक मां का स्थान समाज और परिवार में सर्वोच्च होता है। यह दिन केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि उस निस्वार्थ प्रेम के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है जो एक मां अपने बच्चों को देती है। कार्यक्रम के अंत में विभिन्न प्रतियोगिताओं की विजेता माताओं को स्मृति चिन्ह और उपहार देकर सम्मानित किया गया।

मॉडर्न स्कूल में धूमधाम से मनाया मातृत्व दिवस

गन्नौर। मुख्याध्यापिका महक धनखड़ मातृत्व दिवस पर छात्रों की मां का सम्मान करते।

गन्नौर। मॉर्डन पब्लिक स्कूल में शनिवार को मातृत्व दिवस उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने अपनी रंगारंग प्रस्तुतियों से उपस्थित सभी माताओं का मन मोह लिया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन और स्वागत गीत के साथ हुई। इसके बाद विद्यार्थियों ने नृत्य, गीत, कविता और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से मां के प्रति अपने प्रेम और सम्मान को व्यक्त किया। बच्चों की प्रस्तुतियों ने उपस्थित अभिभावकों और अतिथियों को भावुक कर दिया। विद्यालय के निदेशक अशोक वर्मा ने कहा कि मां का जीवन त्याग, समर्पण और प्रेम का प्रतीक होता है, जो अपने परिवार और बच्चों के लिए हमेशा समर्पित रहती हैं। विद्यालय की ओर से माताओं के लिए कई मनोरंजक खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया, जिसमें माताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रतियोगिताओं में विजेता रहने वाली माताओं को विद्यालय प्रबंधन द्वारा पुरस्कृत भी किया गया। मुख्यध्यापिका महक धनखड़ ने कहा कि आयोजन का उद्देश्य माताओं को सम्मान देना और उन्हें खुशी के कुछ विशेष पल प्रदान करना था।

मदर्स डे पर विद्यार्थियों ने प्रस्तुतियों से जीता मन

गन्नौर। मदर्स डे पर रौनक पब्लिक स्कूल के छात्र संस्कृति कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए ।

गन्नौर। मदर्स डे के उपलक्ष्य में रौनक स्कूल में विशेष प्रार्थना सभा का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रार्थना और प्रतिज्ञा के साथ हुआ, जिसके बाद विद्यार्थियों ने विचार, समाचार वाचन तथा मधुर गीत प्रस्तुत कर वातावरण को भावनात्मक बना दिया। विद्यार्थियों ने हिंदी और अंग्रेजी भाषा में मां के प्रेम, त्याग और समर्पण पर आधारित कविताओं का सुंदर पाठ किया। कार्यक्रम में प्रस्तुत आकर्षक नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। वहीं "मां का त्याग" विषय पर आधारित लघु नाटिका ने सभी को भावुक कर दिया। विद्यालय की प्रधानाचार्या रजनी शर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में मां का स्थान सर्वोच्च माना गया है। उन्होंने कहा कि भले ही मदर्स डे मनाने की परंपरा पश्चिमी देशों से आई हो, लेकिन भारतीय सभ्यता में मां को देवी का स्वरूप माना जाता है। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार ने सभी माताओं के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए विद्यार्थियों को परिवार के साथ प्रेम, एकता और संस्कारों के साथ जुड़े रहने का संदेश दिया।

खबर संक्षेप

पेशनरों की मांगें नजरअंदाज कर रही है सरकार

गोहाना। शनिवार को रोहतक रोड स्थित बस स्टैंड परिसर में आल रिटायर्ड कर्मचारी वेलफेयर एसोसिएशन बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता महेंद्र सिंह फ्राड ने की, जबकि मंच संचालन राज सिंह मलिक ने किया। बैठक में सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने अपनी समस्याओं और मांगों पर चर्चा की। एसोसिएशन की राज्य कमेटी के वरिष्ठ नेता प्रेम सिंह सैनी ने कहा कि सरकार द्वारा पेंशनरों की मांगों को नजरअंदाज किया जा रहा है।

महाराणा प्रताप से अकबर थर-थर कांपता था : दांगी

गोहाना। दोदवा गांव के अंबेडकर भवन में शनिवार को महाराणा प्रताप की 485वीं जयंती मनाई गई। समारोह में नागरिकों ने महाराणा प्रताप के चित्र पर पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजलि दी। मुख्य वक्ता आजाद हिंद देशभक्त मोर्चा के मुख्य संरक्षक आजाद सिंह दांगी ने कहा16वीं शताब्दी के राजपूत शासक महाराणा प्रताप मेवाड़ के शासक थे। वे अपनी वीरता, अदम्य साहस और मुगलों के खिलाफ स्वतंत्रता के संघर्ष के लिए भारतीय इतिहास में अमर हैं। हल्दी घाटी के युद्ध में राणा के 20 हजार सैनिकों ने अकबर के 85 हजार सैनिकों को हरा दिया था। महाराणा प्रताप के नाम से अकबर थर-थर कांपते थे।

लोक अदालत में 14 633 मुकदमे निपटाए

05 करोड़ 85 लाख 81 हजार 893 की राशि का भी किया निपटान

■ 7052 चालानों का निपटारा किया जिसमें 80 लाख 76 हजार 100 रुपये की राशि वसूली

हरिभूमि न्यूजर ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। लोक अदालत के दौरान सुनवाई करते न्यायधीश।

सोनीपत व उपमंडल गोहाना, गन्नौर व खरखौदा न्यायालय परिसर में शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस राष्ट्रीय लोक अदालत में 14 हजार 633 मुकदमों का आपसी सहमति से निपटारा करने के साथ-साथ 05 करोड़ 85 लाख 81 हजार 893 की राशि का भी निपटान किया गया।

मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण (डीएलएसए) के सचिव प्रचेता सिंह ने बताया कि जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के अध्यक्ष जगजीत सिंह के नेतृत्व में राष्ट्रीय लोक अदालत में मोटर दुर्घटना क्लेम मामलों के 15 केसों का निपटारा किया गया, जिसमें वादियों की 01 करोड़ 72 लाख 55000 की समझौता राशि का निपटारा किया गया। इसके अलावा 07 हजार 52 चालानों का निपटारा किया गया जिसमें 80 लाख 76 हजार 100 रुपये की राशि वसूली गई। इसके अलावा फौजदारी के 69 केसों का निपटान किया गया। इसके अलावा 371 सिविल केस, 151 लेबर केस, 350 बिजली सम्बन्धित केस, 171 वैवाहिक विवाद संबंधी, 5782 राजस्व मामलो से संबंधित, 127 चेक बाउंस संबंधित केस का निपटान किया गया, जिनसे 01 करोड़ 36 लाख 13 हजार 438 रूपये की राशि का निस्तारण किया गया। उन्होंने बताया कि जिला एडीआर सेंटर में स्थाई लोक अदालत के माध्यम से विभिन्न बैंकों के बैंक रिकवरी से संबंधित 43 केसों तथा टेलीफोन के बिल्स रेकवेरी से सम्बन्धित 36 कैसो का निपटान किया गया। इसके अतिरिक्त अन्य मामलो से सम्बन्धित 466 कैसो का निपटारा किया गया।

गोहाना। शिक्षकों को प्रशिक्षित करते हुए वक्ता।

शिक्षकों को दिया जीवन कौशल का प्रशिक्षण

गोहाना। सीबीएसई द्वारा शनिवार को जेकेआर पब्लिक स्कूल, गोहाना में जीवन कौशल (लाइफ स्किल) विषय पर प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। विभिन्न विद्यालयों के 60 शिक्षकों ने प्रतिभागिता की। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल के एमडी राजबीर राठी ने की। यह कार्यक्रम प्राचार्य महेंद्र पाराशर की देखरेख में आयोजित हुआ। मुख्य वक्ता सीबीएसई रिसोर्स पर्सन अमित दहिया और दिव्या शर्मा रहीं। ने शिक्षकों को जीवन कौशल विषय संबंधी प्रशिक्षण दिया। अमित दहिया ने कहा कि शिक्षकों में समस्या सामाधन, निर्णय लेने की क्षमता, तार्किक चिंतन, सृजनात्मक और मानसिक तनाव मुक्त कौशल से निपुण होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि शिक्षक नई शिक्षा पद्धति को लेकर स्वयं को अपडेट रखें तभी वे विद्यार्थियों का उचित मार्गदर्शन कर सकेंगे। प्राचार्य ने वक्ताओं को स्मृति चिह्न प्रदान करके सम्मानित किया।

खबर संक्षेप

ज्ञान भारतम् पहल पर जीवीएम गर्ल्स कॉलेज में व्याख्यान

सोनीपत। जीवीएम गर्ल्स कॉलेज, सोनीपत के इतिहास विभाग द्वारा राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण के अंतर्गत "ज्ञान भारतम पहल" विषय पर एक विशेष जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के सेमिनार हॉल में किया गया, जिसमें छात्राओं और शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के प्रधान डा. ओपी परूथी व प्राचार्या डा. मंजुला स्पाह द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। प्रधान डा. ओपी परूथी ने अपने संबोधन में भारत की प्राचीन पांडुलिपियां हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और ज्ञान परंपरा की अमूल्य धरोहर हैं।

धर्म ही जीवन का सार है : स्वामी हरिओम आनंद

सोनीपत। शिव शक्ति सिद्धपीठ समिति की ओर से कालका मंदिर, देहली के प्रांगण में भंडारा लगाया गया। दोपहर को मां कालका की अखंड ज्योत लेकर शिव शक्ति सिद्धपीठ मंदिर, सोनीपत के लिए प्रस्थान किया गया। यहां माता रानी की अखंड ज्योत प्रज्वलित की गई। शाम को सत्संग के बाद भंडारा लगाया गया। जिसमें आसपास के श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। सत्संग में स्वामी हरिओम आनंद ने संतों की महिमा का वर्णन कर श्रद्धालुओं का मार्गदर्शन किया। उन्होंने बताया कि धर्म ही जीवन का सार है। उन्होंने वृंदावन के स्वामी प्रेमानंद महाराज के निष्काम व प्रेरणादायक जीवन पर भी प्रकाश डाला।

श्रीजी विद्यार्थियों ने किया बाबा धाम का दर्शन

सोनीपत। श्रीजी इंटरनेशनल स्कूल द्वारा कक्षा नौवीं से बारहवीं के विद्यार्थियों के लिए बाबा धाम दर्शन का आयोजन किया गया। इससे पूर्व कक्षा पहली से आठवीं के विद्यार्थी भी बाबा धाम मंदिर दर्शन हेतु जा चुके हैं। विद्यार्थियों ने बाबा धाम में स्थित सभी मंदिरों के दर्शन किए व इसके उपरांत गायत्री मंत्र व हरे रामा हरे कृष्णा महामंत्र का जाप भी किया। मंदिर के पुजारी ने कथाओं के माध्यम से विद्यार्थियों को परमात्मा के प्रति आस्था रखने, स्वयं पर विश्वास करने, अच्छे कर्म करने का पाठ पढ़ाया तथा किसी भी विपरीत परस्थिति में परमात्मा का स्मरण न छोड़ने के लिए प्रेरित किया। अंत में विद्यार्थियों ने हरिनाम संकीर्तन का आनंद लेते हुए नृत्य किया व प्रसाद भी पाया।

राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण अभियान की महता बताई

गोहाना। राजकीय महिला महाविद्यालय गोहाना के इतिहास विभाग द्वारा राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण अभियान-ज्ञान भारतम् पहल के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को भारत की प्राचीन सांस्कृतिक विरासत, पांडुलिपियों, ताम्रपत्रों और दुर्लभ अभिलेखों के संरक्षण के प्रति जागरूक करना रहा। इतिहास विभाग अध्यक्ष चांद सिंह मोर ने राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण अभियान की महता पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भारतीय पांडुलिपियां देश के इतिहास, संस्कृति और ज्ञान परंपरा की अमूल्य धरोहर हैं, जिनका संरक्षण वर्तमान पीढ़ी की जिम्मेदारी है।

पांडुलिपि सर्वेक्षण पर जागरूकता व्याख्यान

सोनीपत। राजकीय महिला महाविद्यालय, सोनीपत में विद्यार्थियों के मध्य 'ज्ञानभारतम' राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण विषय पर एक जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर इतिहास विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. नवीन वशिष्ठ ने विद्यार्थियों को भारतीय पांडुलिपियों की समृद्ध परंपरा, उनके संरक्षण तथा राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डॉ. नवीन वशिष्ठ ने अपने संबोधन में कहा कि भारत की प्राचीन पांडुलिपियाँ देश की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं बौद्धिक धरोहर हैं। 'ज्ञानभारतम' अभियान का उद्देश्य देशभर में उपलब्ध पांडुलिपियों का सर्वेक्षण कर उन्हें संरक्षित करना तथा नई पीढ़ी को अपनी विरासत से जोड़ना है।

एचएसवीपी कर्मचारियों ने वेतन और जॉब सुरक्षा की उठाई मांग

सोनीपत। हुडा जन स्वास्थ्य कर्मचारी यूनियन जिला कमेटी सोनीपत से संबंधित हरियाणा संयुक्त कर्मचारी मंच के बैनर तले एचएसवीपी कार्यालय सेक्टर-15 के बाहर कर्मचारियों का रोष प्रदर्शन और धरना शनिवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। धरने की अध्यक्षता जिला प्रधान सुरेंद्र सिंह और जिला चेयरमैन राकेश त्यागी ने की, जबकि संचालन जिला सचिव योग प्रकाश नागर और राज्य कार्यालय सचिव समेश कुमार ने किया। प्रदेश अध्यक्ष आरके नागर ने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि सोनीपत के दोनों डिविजनों में आज तक किसी भी कच्चे या पक्के कर्मचारी को अप्रैल माह का वेतन नहीं मिला है। उन्होंने आरोप लगाया कि कार्यकारी अभियंता का पद खाली होने के कारण प्रशासनिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं। साथ ही कौशल रोजगार निगम कर्मचारियों को जॉब सुरक्षा पत्र देने के लिए नए पद सृजित करवाने की प्रक्रिया भी शुरू नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि सरकार और एचआरडी द्वारा 15 मई अंतिम तिथि निर्धारित की गई है, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते मांगें पूरी नहीं हुईं तो प्रदेशभर में एचएसवीपी की जलापूर्ति और सीवर सेवाओं को ठप कर हड़ताल की जा सकती है।

सफाई कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ किया प्रदर्शन

■ सफाई कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूजर ▶▶| खरखौदा

खरखौदा। अपनी मांगों को लेकर रोष प्रदर्शन करते सफाई कर्मचारी।

नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर नगर पालिका खरखौदा के सफाई कर्मचारियों द्वारा अपनी विभिन्न मांगों को लेकर नगर पालिका कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन दिया जा रहा है। धरने पर बैठे सफाई कर्मचारियों ने प्रशासन पर डराने व धमकाने का भी आरोप लगाया। कर्मचारियों का कहना है कि लंबे समय से सरकार के साथ कई दौर की बातचीत के बावजूद उनकी मांगों का समाधान नहीं किया जा रहा है, जिससे कर्मचारियों में भारी नाराजगी है। सफाई व सीवर कर्मचारियों की नियमित भर्ती वर्षों से नहीं की गई है। ठेका प्रथा के कारण उनका शोषण हो रहा है।प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने नियमितीकरण, समान काम के लिए समान वेतन, ठेका प्रथा समाप्त करने, न्यूनतम वेतन 30 हजार रुपये करने, मेडिकल सुविधाएं, जोखिम भत्ता सहित अन्य मांगों को पूरा करने की मांग की। धरना दे रहे कर्मचारियों ने प्रशासन पर उन्हें डराने व धमकाने का भी आरोप लगाया। कर्मचारियों ने दिल्ली चौक पर स्थानीय नगर पालिका के सचिव का पुतला फुंक कर प्रशासन के प्रति नाराजगी जताई।

2800 से अधिक शिक्षकों की ड्यूटी, स्कूलों में पीरियड एडजस्ट न होने से बढ़ी परेशानी

जनगणना कार्य में लापरवाही बरतने पर 50 शिक्षकों को नोटिस जारी

जनगणना का पूरा कार्य केवल शिक्षकों पर ही छोड़ने का आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

जनगणना देश के विकास की आधारभूत प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से सरकार को जनसंख्या, शिक्षा, रोजगार, आवास व अन्य सामाजिक और आर्थिक पहलुओं से जुड़े महत्वपूर्ण आंकड़े प्राप्त होते हैं। इस बीच कुछ विद्यालय प्रमुखों व गणनाकारों (शिक्षकों) पर जनगणना कार्य में सहयोग नहीं देकर लापरवाही बरतने का मामला सामने आया है। आरोप है कि जनगणना ड्यूटी पर कार्यरत शिक्षकों के विद्यालयों में पीरियड भी एडजेस्ट नहीं किए जा रहे हैं। जनगणना का पूरा कार्य केवल शिक्षकों पर ही छोड़ दिया गया है। मामले में जानबूझकर बाधा उत्पन्न करने का भी आरोप है। जिला शिक्षा अधिकारी नवीन गुलिया ने विद्यालय प्रमुखों को जनगणना कार्य में अपनी जिम्मेदारी का पूर्ण रूप से निवर्हन करने की हिदायत दी। जिला जनगणना समन्वयक अधिकारी गौरव कांबोज ने बताया कि 50 शिक्षकों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया गया है।

डीईओ नवीन गुलिया ने दी जिम्मेदारी निभाने की सख्त हिदायत

ड्यूटी कैंसिल करवाने वाले शिक्षकों की सूची तैयार करने को कहा

सोनीपत। जनगणना के दौरान व्यक्ति से सवाल पूछती शिक्षक।

3500 से ज्यादा सरकारी कर्मचारी ड्यूटी पर

बता दें कि जिले में जनगणना का कार्य पूरा करवाने के लिए जिले में विभिन्न विभागों से करीब 3500 से ज्यादा सरकारी कर्मचारियों सहित 2800 से अधिक शिक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है। इनमें नगर निगम क्षेत्र में 118 सुपरवाइजर और 711 शिक्षकों की ड्यूटी लगी हुई है। प्रथम चरण में गणनाकर्ताओं की ओर से मकान की भौतिक स्थिति, परिवार, आवास विवरण, घरेलू सुविधाएं, डिजिटल उपकरण, संपत्ति व सत्यापन जैसे विभिन्न 33 सवाल पूछे जा रहे हैं। यह चरण मुख्य रूप से घरों की भौतिक स्थिति, सुविधाओं व संपत्तियों पर केंद्रित है। इसके बाद जनगणना 2027 के दूसरे चरण का 9 फरवरी से 28 फरवरी 2027 तक आयोजन किया जाएगा।

पढ़ाई व जनगणना सुचारू रखने का नोटिस

अधिकारियों की मानें तो सामने आया है कि कुछ विद्यालय प्रमुख व शिक्षक जनगणना को लेकर कार्य में कोताही बरत रहे हैं। ऐसे में जिला शिक्षा अधिकारी की ओर से सभी विद्यालय प्रमुखों को एक नोटिस जारी किया गया है। जिसमें सख्त हिदायत दी गई है कि सभी विद्यालय प्रमुख सुनिश्चित करें कि विद्यालय का संचालन इस प्रकार होना कि पढ़ाई व जनगणना कार्य दोनों सुचारू रूप से चल सकें। जिन विद्यालयों में शिक्षकों की गणनाकार के रूप में ड्यूटी लगी है, वहां स्कूल प्रमुख को ही नोडल अधिकारी बनाया गया है। जनगणना का कार्य मिलने वाले सभी शिक्षक अपने क्षेत्र में कितने घरों का जनगणना संबंधी कार्य पूरा हुआ, इसका रिकॉर्ड रोजाना अपने पास दर्ज करेंगे।

25 तक काम पूरा करने की हिदायत

जिला में कार्यरत सभी शिक्षकों को हर साल में 25 मई तक जनगणना का कार्य पूरा करने की हिदायत दी गई है। इसको लेकर जिला शिक्षा विभाग की ओर से जल्द संबंधित बैठक भी की जाएगी। बैठक में संबंधित विद्यालय प्रमुख व शिक्षकों को शामिल होने के निर्देश दिए गए हैं। सभी को बैठक में अपना एकत्रित रिकॉर्ड दिखाना होगा। इसकी जिम्मेदारी विद्यालय प्रमुखों को सौंपी गई है। शिक्षा अधिकारी ने बताया कि अगर कोई शिक्षक कार्य में जानबूझकर कार्य नहीं करता या लापरवाही करता है, तो उसके खिलाफ विभागीय अनुसान कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

ड्यूटी कैंसिल करवाने में जुटे शिक्षक

जनगणना कार्य के दौरान यह भी सामने आया है कि कुछ शिक्षक अपनी ड्यूटी कैंसिल करवाने का प्रयास कर रहे हैं। शिक्षकों की ओर से करीब 25 मेडिकल लीव के लिए प्रार्थना पत्र संबंधित अधिकारी को सौंपे गए हैं, इनकी समीक्षा का कार्य जारी है। उधर शिक्षा अधिकारी ने विद्यालय प्रमुखों को ऐसे शिक्षकों को चिन्हित कर सूची तैयार करने के निर्देश दिए हैं। शिक्षा अधिकारी ने कहा कि जनगणना कार्य को टीमवर्क के रूप में किया जाए। जिन शिक्षकों की ड्यूटी नहीं लगी है। विद्यालय प्रमुख उनसे भी गणनाकार का सहयोग करवाना सुनिश्चित करें।

प्रशासन ने मांगा जवाब

जिला जनगणना समन्वयक अधिकारी गौरव कांबोज ने बताया कि जनगणना कार्य में लगे काफी सरकारी कर्मचारी, खासकर शिक्षक वर्ग अपनी ड्यूटी से बचने के हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। छुट्टी की अर्जियों, मेडिकल बहाने व सिफारिशी कॉल्स की बढ़ती तादाद भी प्रशासन के सामने चुनौती बनती जा रही है। ऐसे में प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए जनगणना कार्य में दूरी बनाने वाले 50 शिक्षकों को प्रशासन की ओर से नोटिस जारी कर जवाब तलब किया गया है।

एमआर विद्यालय में मनाया मातृ दिवस

गोहाना। महम रोड स्थित एमआर विद्यालय में शनिवार को मातृ दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नर्सरी से छठी कक्षा की माताएं आमंत्रित की गईं और उनके लिए फन गेम्स, म्यूजिकल चेयर, डांस विद मदर, डांस ऑन पेपर, पेपर फोल्डिंग एवं रैम्प वॉक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। मार्गदर्शन विद्यालय के एमडी राजबीर शर्मा का रहा। फन गेम्स में चौथी कक्षा से प्रीत की मां सरला, म्यूजिकल चेयर में चौथी कक्षा की तन्वी की माता ज्योति व नृत्य प्रतियोगिता में 5वीं कक्षा के समर की माता निशा विजयी रहीं। माताओं ने डांस विद मदर, डांस ऑन पेपर, पेपर फोल्डिंग एवं रैम्प वॉक प्रतियोगिताओं में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विद्यालय के एमडी राजबीर शर्मा ने विजेता घोषित माताओं को पारितोषिक देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्ष प्राचार्या अनीता शर्मा ने की और संयोजन अंशु खासा का रहा। मंच संचालन अंजू सरोहा और पूजा शर्मा ने किया। इस अवसर पर विद्यालय के अन्य स्टाफ सदस्य भी मौजूद रहे।

कलश यात्रा के साथ हुई मूर्ति स्थापना

सोनीपत। सेक्टर 23 रोड स्थित शिव मंदिर में धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मंदिर प्रांगण में श्याम बाबा, नंदी महाराज, भगवान परशुराम तथा शिव परिवार से भगवान गणेश और कार्तिकेय की नवनिर्मित प्रतिमाओं की विधिवत स्थापना की गई। कलश यात्रा का पूरा आयोजन रक्षक सेना के प्रमुख मनजीत तिहाड़ा के कुशल नेतृत्व और पंडित राजेश गौर के पावन सानिध्य में संपन्न हुआ। मूर्ति स्थापना से पूर्व, विकास नगर, मालवीय नगर और सेक्टर 23 के मुख्य मार्गों से होते हुए एक विशाल नगर भ्रमण और कलश यात्रा निकाली गई। इस परिक्रमा में सैकड़ों श्रद्धालुओं और नगरवासियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। कलश यात्रा के दौरान मनमोहक और भजनों की प्रस्तुति हुई। कार्यक्रम के दौरान विशेष रूप से उपस्थित पंडित राजेश गौर ने श्रद्धालुओं को अपने आशीर्वचन दिए और धर्म के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। शिव मंदिर परिसर में रविवार को हवन का आयोजन किया जाएगा। हवन की पूर्णाहुति के पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन होगा।

ऑपरेशन सिंदूर की प्रथम वर्षगांठ पर दी श्रद्धांजलि

सोनीपत। टीका राम गर्ल्स कॉलेज, सोनीपत की एनसीसी कैडेट्स ने ऑपरेशन सिंदूर की प्रथम वर्षगांठ के अवसर पर पुलिस लाइन, सोनीपत स्थित युद्ध स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर ऑपरेशन के दौरान शहीद हुए वीर जवानों को श्रद्धांजलि दी। कॉलेज परिसर में भी हमारे सैनिकों के बलिदान को याद करते हुए तथा दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। इस कार्यक्रम में कुल 30 प्रतिभागी उपस्थित थे, जिनमें 16 सदस्यीय एनसीसी कैडेट दल शामिल था। इस अवसर पर प्राचार्या गीता, सीटीओ डॉ. शीतल, सहायक प्रोफेसर डॉ. आशा रानी, डॉ. सोनिया, मिमांसा एवं अन्य शिक्षक व गैर-शिक्षक कर्मचारी उपस्थित रहे।

शहीदों को श्रद्धांजलि देकर गूंजे 'भारत माता की जय' के उद्घोष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

हिन्दू गर्ल्स कॉलेज, सोनीपत की एनसीसी इकाई द्वारा "ऑपरेशन सिंदूर" की प्रथम वर्षगांठ अत्यंत श्रद्धा, उत्साह एवं देशभक्ति की भावना के साथ मनाई गई। कार्यक्रम के दौरान एनसीसी कैडेट्स ने भारत के वीर शहीदों एवं भारतीय सशस्त्र सेनाओं के अदम्य साहस, पराक्रम और बलिदान को नमन करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर कैडेट ईशिका, नेहा, प्रियंका, ज्योति, सपना, अंजलि एवं पलक द्वारा देशभक्ति एवं "ऑपरेशन सिंदूर" विषय पर आकर्षक पोस्टर तैयार किए गए, जिन्होंने सभी का ध्यान आकर्षित किया। कॉलेज की प्राचार्या डॉ. विपाशा अग्रवाल ने कैडेट्स को प्रेरित करते हुए "ऑपरेशन सिंदूर" की विस्तृत जानकारी दी। एनसीसी

एएनओ कैप्टेन नीतू नसीयर दूहन ने देशप्रेम, अनुशासन एवं आत्मविश्वास का महत्व बताया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान एवं देशभक्ति के जोशीले नारों के साथ हुआ।

घर में हमला करने के मामले में आरोपी काबू

गन्नौर। क्राइम यूनिट पश्चिम टीम ने घर में घुसकर तोड़फोड़, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के मामले में सातवें आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित मोहित सोनीपत के गांव जाजी का रहने वाला है। आरोपित मोहित को पुलिस ने अदालत में पेश कर आदेशानुसार जेल भेज दिया है। बता दें कि गांधी नगर के सुरेंद्र ने थाना गन्नौर में शिकायत दी थी कि चार मई दो गाड़ियों में सवार सात-आठ युवक उनके घर पर ईंट-पत्थर फेंके और खिड़कियों के शीशे तोड़ दिए। कुछ देर बाद आरोपित दोबारा लौटे और सुरेंद्र व उसकी पत्नी के साथ लाठी, डंडों व जेलवे से मारपीट की। आरोपित एलईडी, फ्रिज समेत अन्य सामान और घर के बाहर खड़ी बाइक को क्षतिग्रस्त कर दिया। पुलिस ने शिकायत पर केस दर्ज कर लिया था। पुलिस जांच में सामने आया कि हमला जेल में बंद रोहित जाजी से जुड़े विवाद को लेकर किया गया था।

केडी स्कूल में डोजो कराटे चैंपियनशिप का आगाज

खरखौदा। केडी इंटरनेशनल स्कूल खरखौदा में डोजो कराटे चैंपियनशिप का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें विभिन्न स्कूलों व कराटे अकादमियों के खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। इस चैंपियनशिप में एपीजी स्कूल, स्वतंत्र मिडिल स्कूल, प्रताप स्कूल, वीर स्पोर्ट्स अकादमी, मोकरा कराटे अकादमी, एसआरएस स्कूल, स्कॉलर रोजरी स्कूल के खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने बेहतरीन कराटे तकनीकों, आत्मरक्षा कौशल एवं अनुशासन का शानदार प्रदर्शन किया जा रहा है। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर विद्यालय प्रबंधन एवं आयोजकों ने सभी अतिथियों, कोच, अभिभावकों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

लवकुश प्रधानमंत्री और कमल बने उप प्रधानमंत्री

गीता विद्या मंदिर गोहाना में नए शैक्षणिक सत्र के लिए विद्यार्थी परिषद गठित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

गीता विद्या मंदिर, गोहाना में शनिवार को नवगठित विद्यार्थी परिषद एवं सदन पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष एडवोकेट तिलक राज रेलन एवं प्रबंधक अतुल कौशिक ने किया। अध्यक्षता प्राचार्य अश्विनी कुमार ने की और मंच संचालन पूनम पन्नू ने किया। विद्यार्थी परिषद में बाल भारती से प्रधानमंत्री लवकुश, उप प्रधानमंत्री कमल, सेनापति हिमांक, उप सेनापति चेतन, बाल पत्रकार प्रिंस, प्रवक्ता भावेश, कोषाध्यक्ष हितेश एवं कन्या भारती से प्रधानमंत्री अन्वी, उप प्रधानमंत्री मानसी, सेनापति प्रियांशी डागर, उप सेनापति रीत, बाल पत्रकार हंसिका एवं रितिका ने अनुशासन मंत्री के रूप में शपथ ग्रहण की। सदनानुसार

दयानंद सदन से नितिक्षा कैप्टन एवं सारा वाइस कैप्टन, शिवाजी सदन से नियति कैप्टन एवं मुस्कान वाइस कैप्टन, विवेकानंद सदन से हर्षिता कैप्टन एवं इशिता वाइस कैप्टन तथा चाणक्य सदन से लक्ष्य कैप्टन एवं अंशुल वाइस कैप्टन चुने गए। छात्र वर्ग में चाणक्य सदन से हर्षित कैप्टन एवं धैर्य वाइस कैप्टन, शिवाजी सदन से विवेक कैप्टन एवं रियान वाइस कैप्टन, विवेकानंद सदन से तेजस कैप्टन एवं सतमीत वाइस कैप्टन तथा दयानंद सदन से अर्चित कैप्टन एवं दक्ष वाइस कैप्टन घोषित किए गए।

गोहाना। कार्यक्रम में मेधावी विद्यार्थी अपने गुरुजनों के साथ।

दून स्कूल में प्रतिभावान विद्यार्थी सम्मानित

गोहाना। गोहाना-पानीपत मार्ग स्थित दून पब्लिक स्कूल में शनिवार को मेधावी सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में कक्षा नर्सरी से कक्षा 11वीं तक वार्षिक परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थी सम्मानित किए गए। समारोह का उद्देश्य विद्यार्थियों को उनकी मेहनत, अनुशासन एवं उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रबंधक राजेश कुमार एवं उप प्रबंधक विक्रांत ने किया। अध्यक्षता प्राचार्या ज्योति छाबड़ा ने की। मुख्य अतिथि डॉ. जगदीश बत्रा रहे। इस कार्यक्रम में विभिन्न कक्षाओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को ट्राफी एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। प्राचार्या ज्योति छाबड़ा ने कहा कि सफलता निरंतर परिश्रम, आत्मविश्वास और अनुशासन का परिणाम होती है। जीवन में हमेशा लक्ष्य के साथ आगे बढ़ें और उसे हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करें।

DEPARTMENT OF ONCOLOGY

Dr. Himanshu (Onco Plastic and Reconstructive Surgeon) | Dr. Hitender (Head and Neck Onco Surgeon) | Dr. Mayank Jain GI-Onco Surgeon | Dr. Yogesh Associate Consultant Onco | Dr. Sunny Jain HOD of Oncology | Dr. Anil Jain General Onco Surgeon | Dr. Radhika Onco-Pathologist | Dr. Ashish (Interventional Onco-Radiologist) | Dr. Manish (Uro-Onco Surgeon)

Dedicated Chemo Ward & Onco OT

MEDICAL TREATMENT
- Chemotherapy
- Biological & Hormonal therapy
- Immuno therapy
- Targeted chemotherapy

DIAGNOSTIC TESTS
- USG
- CT scan
- MRI
- PET-CT
- Pap smear
- FNAC
- HPV & LBC
- Biopsy

SURGICAL TREATMENT
- Head and neck cancer
- Breast cancer
- Stomach cancer
- Oral cancer
- Gynae cancer
- Urological cancer
- Brain tumors
- Blood cancer
- Oesophageal cancer
- Pancreatic cancer
- Lung cancer

CANCER SYMPTOMS
- Sudden Weight loss
- Lump(s)
- Fatigue
- Persistent & vunexplained fever
- Skin changes, such as yellowing, darkening or redness of the skin

6200+ Chemo Sessions Done

(Scan the QR code to learn more)

MEDICAL ONCO OPD TIMINGS - MON TO SAT 11 AM - 2 PM

FIMS HOSPITAL
Bahalgarh-Sonipat Road, Sonipat, Haryana
'Nurturing Life'
www.fimssonipat.com | 0130-2205000 | Follow us:
"On panel of CGHS, Haryana Govt., ESIC, ECHS, Delhi Gov, Railway, NDMC, DJB, FCI, MCD, AAI, DTL, DTC, TPDDL, Raksha, Star, and all Major Insurance Companies, TPAs, & PSUs."

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 9653530209, 9253681005, 9253681010

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

सुपर-100 : दूसरे चरण की परीक्षा में जिले के 19 विद्यार्थी उत्तीर्ण, 13 को ले सकेंगे दाखिला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

विद्यालय शिक्षा निदेशालय ने सरकार की महत्वाकांक्षी योजना शैक्षणिक पहल हरियाणा सुपर-100 के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2026-28 की दूसरे चरण की परीक्षा का परिणाम जारी कर दिया है। प्रशिक्षण एवं परीक्षा के अंतर्गत प्रदेशभर में 521, जो सोनीपत जिले में 19 विद्यार्थियों ने दूसरे चरण को पार कर दाखिले के लिए अपनी जगह सुनिश्चित की है। वहीं प्रदेश में 152 विद्यार्थियों सहित सोनीपत में 7 बच्चों को वेटिंग लिस्ट में रखा गया है। अब चयनित विद्यार्थी 13 मई को कुरुक्षेत्र स्थित सुपर 100 कैंपस पहुंचकर दाखिला ले सकते हैं। अगर उत्तीर्ण श्रेणी के विद्यार्थियों में से कोई दाखिला के लिए नहीं पहुंचता है, तो वेटिंग लिस्ट वाले बच्चों को दाखिले का मौका दिया जाएगा। इससे पहले प्रदेशभर में प्रथम चरण की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले 2113 व सोनीपत में 89 विद्यार्थी दूसरे चरण की परीक्षा में शामिल हुए थे। दूसरे चरण की अलग-अलग 3 दिवसीय रेजिडेंशियल अकादमिक प्रशिक्षण व परीक्षा कुरुक्षेत्र में 19 से 27 अप्रैल

सोनीपत के मॉडल टाउन स्थित राजकीय मॉडल संस्कृति विद्यालय में शिक्षा ग्रहण करते विद्यार्थी। फाइल फोटो

विद्यार्थियों के लिए आवश्यक दस्तावेज

- आधार कार्ड (ओरिजनल व एक फोटो कॉपी)
- अभिभावकों के आधार कार्ड की दो फोटो कॉपी
- विद्यार्थी की 5 व अभिभावकों की दो पासपोर्ट साइज फोटो
- कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा का प्रवेश पत्र (ओरिजनल व एक फोटो कॉपी)
- सुपर-100 द्वितीय चरण की परीक्षा का आईकार्ड व कलर प्रमाणपत्र
- स्कूल लीविंग सेर्टिफिकेट ओरिजनल
- परिवार पहचान पत्र (ओरिजनल व तीन फोटो कॉपी)
- बैंक पासबुक की आईएफएससी कोड के साथ दो फोटो कॉपी

तक तीन चरणों में आयोजित की गई। जिला विज्ञान विशेषज्ञ (डीएसएस) एवं नोडल अधिकारी सुरेंद्र सिंह ने बताया कि दूसरे चरण के उत्तीर्ण विद्यार्थियों को जेईई, एनईईटी जैसी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं की उच्च स्तरीय तैयारी पूर्णतः निःशुल्क कराई जाएगी। जिला शिक्षा अधिकारी नवीन गुलिया ने कहा कि जिले के कुल 89 विद्यार्थियों ने सुपर-100 के दूसरे चरण के प्रशिक्षण व परीक्षा में भाग लिया था। जिले के 19 विद्यार्थियों ने परीक्षा को उत्तीर्ण किया है, जबकि 7 बच्चे वेटिंग में हैं। अगर कोई विद्यार्थी दाखिला नहीं लेता है, तो वेटिंग में शामिल विद्यार्थियों को मौका दिया जाएगा।

मातृ दिवस विशेष

मां की ममता, उसके प्रेम, उसके समर्पण और उसके त्याग की कोई सीमा नहीं होती है। हर हाल में अपनी संतान का हित, उसके सुख और उसकी खुशी की कामना करने वाली मां की महानता का कितना भी बखान किया जाए कम ही होगा। आइए आज मातृ दिवस के अवसर पर हम सब संकल्प करें कि अपनी मां को हमेशा खुश रखेंगे, उनकी हर इच्छा को पूरा करने का प्रयास करेंगे।

आवरण कथा
सरस्वती रमेश

मां त्याग-प्रेम की मूरत है सबसे अनमोल

प्रकृति की हर कृति अपने आप में अनूठी और अनमोल है। लेकिन मां की बात ही कुछ अलग है। मां को प्रकृति की सर्वश्रेष्ठ कृति कहें तो अतिशयोक्ति न होगी। मां की ममता के समक्ष दुनिया के सारे ऐशो-आराम, स्वर्गीय सुख, चमक-दमक फीके हैं। मां के स्नेह में, ममता में जो सुख, तृप्ति और सुकून होता है, उसे दुनिया की कोई शय नहीं दे सकती। इसीलिए उस शख्स को दुनिया में सबसे खुशनसीब माना जाता है, जिसके सिर पर मां की ममता का साया होता है। सच कहें तो मां की उपस्थिति, स्वर्ग से भी अधिक आलौकिक अनुभूति देती है। मां की इस दिव्यता को, विशेषता को मुनव्वर राणा ने अपने एक शेर में यूं समेटा है-

चलती-फिरती हुई आंखों से अज़ां देखी है
मैंने जन्नत तो नहीं देखी है, मां देखी है।

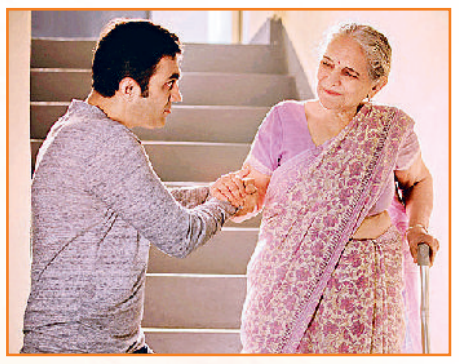

भावनाओं का दरिया है मां: हर मां के हृदय में भावनाओं का दरिया उमड़ता रहता है। यही भावनाएं मां और उसकी संतान के मध्य अनिर्वचनीय रिश्ता कायम करती हैं। एक ऐसा रिश्ता, जिसमें संसार के सभी रिश्तों की तासीर को महसूस किया जा सकता है। एक मां की उसके संतान के प्रति जैसी तड़प, प्रेम, चिंता, समर्पण और त्याग की भावना होती है, ऐसी भावना किसी और रिश्ते-नाते में नहीं देखी जा सकती है। मां अपने बच्चे की सिर्फ जन्मदात्री नहीं होती। वह उसकी प्रथम गुरु, संरक्षक, दोस्त, पालनकर्ता और मार्गदर्शक भी होती है। एक बच्चे को अपनी मां से वह सब कुछ मिलता है, जिसकी उसे वर्तमान में जरूरत है और भविष्य में जरूरत पड़ने की संभावना होती है। वैसे तो बच्चे के इर्द-गिर्द ढेर सारे संबंधों की कतार होती है। लेकिन अपनी मां से उसे जो प्राप्त होता है, उसकी भरपाई दुनिया का कोई भी रिश्ता नहीं कर सकता। नेल्सन मंडेला के शब्दों में कहें तो, 'मां का प्यार सबसे ऊंचा, अशेष और अनपेक्षित होता है।'

रुई के फाहे सा स्नेह: मां का प्यार, उसका स्नेह रुई के फाहे जैसा मुलायम और निर्दोष होता है। वह बच्चे की जरा-सी चोट पर विह्वल होने लगता है। बच्चे को जरा सी भी तकलीफ हो तो मां का मन विचलित होने लगता है। उसका प्यार देखना हो तो उसकी चिंताओं को गौर से देखिए। बच्चे की हर पल की जरूरतों के लिए मां किस हद तक फिक्रमंद होती है। उसकी दिनचर्या का निर्धारण बच्चे की जरूरतों के हिसाब से तय होता है। यहां तक कि उसके सोने-जागने का भी। एक लड़कोरी (नवजात की मां) की नींद कभी पूरी नहीं हो पाती। वो टुकड़ों-टुकड़ों में सोती हैं। बच्चे की रोने की एक आवाज पर अपने खाने की थाली सरका कर उसे पहले दूध पिलाती है। बीमार बच्चे की देख-रेख करने में तो मां अपनी भूख, प्यास, नींद तक बिसरा देती है।

कामयाबी के पीछे मां की भूमिका: किसी इंसान की कामयाबी में उसकी मां की भी भूमिका होती है। ज्यादातर सफल और महान लोगों की कामयाबी के पीछे उनकी मांओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। दुनिया में ऐसे बेशुमार उदाहरण हैं। अमेरिका के पहले अश्वेत राष्ट्रपति बराक ओबामा ने अपने संस्मरण में अपनी मां की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में लिखा है, 'मेरी मां ने मुझे शिक्षित करने और मेरे भीतर आत्मविश्वास भरने के लिए बहुत मेहनत की। दिन में वह काम पर जाती थीं, इसलिए भोर में चार बजे उठकर मुझे पढ़ाती थीं। हमारी जिंदगी के तमाम उतार-चढ़ाव के बावजूद, मेरी मां ने मुझे हर पल खास महसूस कराया।' ऐसा ही एक और उदाहरण महान वैज्ञानिक थॉमस अल्वा एडिसन के जीवन में भी देखा जा सकता है। उनके महान आविष्कार को सारी दुनिया जानती है। मगर बहुत कम लोगों को पता होगा कि जब वह छोटे थे, तो आम बच्चों की तरह समझदार नहीं थे। उनके अध्यापक उन्हें हमेशा मंदबुद्धि कहते थे। जब उनकी मां, नैंसी को यह बात पता लगी तो वो उन्हें स्कूल से निकाल लाईं और घर पर ही पढ़ाने लगीं। कई साल बाद एडिसन ने अपनी डायरी में लिखा, 'मेरी मां ने ही मुझे बनाया। वह बहुत सच्ची थीं। मुझ पर अथाह भरोसा करती थीं। उनके स्नेह को पाकर मुझे लगा कि मेरे पास भी जीने की कोई वजह है। उन्हें मैं निराश नहीं कर सकता था।'

एक मंदबुद्धि बच्चा एक मां के संकल्प, हौसले और स्नेह की बदौलत उस सदी का जीनियस बन गया। उस मां ने अपने मंदबुद्धि बेटे से घृणा नहीं की। उससे प्रेम किया और उस पर विश्वास किया। मां के स्नेह और विश्वास में चमत्कारिक शक्ति होती है, जो संतान के जीवन को संवार देती है। कामयाबी की ऐसी लाखों कहानियां हैं, जिनके पीछे एक मां का यही विश्वास और अथाह प्रेम है।

मां कभी नहीं बदलती: दुनिया पल-पल बदलती रहती है, लेकिन मां जैसी सदियों पहले हुआ करती थीं, अब भी वैसी ही होती हैं। यानी सदियां गुजर गईं लेकिन अपनी संतान के प्रति मां का प्यार, लगाव और समर्पण बरकरार है। अपने बच्चों को सीने से लगाने वाली, आंचल में सहेजने वाली, उनकी सुरक्षा के लिए ढाल बन जाने वाली और उनकी हर गलती को क्षमा कर देने वाली मां की ममता का मोल नहीं है। लेकिन दुःखद है कि आधुनिकता, स्वार्थी सोच के प्रभाव में कई संतानों का व्यवहार अपनी मां प्रति बदल जाता है।

सोचने वाली बात है कि आखिर जब सदियों में मांओं का अपनी संतान से जुड़ाव नहीं बदला तो संतानों का व्यवहार मां के प्रति क्यों बदल गया? ऐसा क्या हो गया कि सभ्यता के विकास ने हमें ऐसी तहजीब सिखाई, जिसने मां का सम्मान करना भुला दिया? दरअसल, सच यह है कि विकास की चकाचौंध में हम निहायत आत्मकेंद्रित और स्वार्थी होते गए हैं। हम मां की ममता जैसे अमूल्य भाव का सम्मान करना भी भूल गए।

मदर्स-डे की महत्ता: संतोष की बात है कि हमारी इस गलती का एहसास कराने के लिए, जीवन में अपनी मां की महत्ता को याद दिलाने के लिए वर्ष में एक दिन मुकर्रर किया गया है। जिसे हम मदर्स-डे के नाम से मनाते हैं। हालांकि मां अपने बच्चों से हर दिन प्रेम, सम्मान व आत्मीयता की हकदार है। बुढ़ापे में जब उसकी हड्डियां कमजोर पड़ जाती हैं, नजर धुंधली हो जाती है और हाथ कांपने लगते हैं, तब उसे अपने बच्चों का साथ व सहारे की जरूरत होती है। ऐसे में मदर्स-डे हमें 'मां' की उस अमूल्य ममता की याद दिलाता हैं। तो आज मदर्स-डे मनाते हुए हम जरूर संकल्प करें कि हम मां को भरपूर प्यार सम्मान न केवल आज, हर दिन देंगे। उसके चेहरे पर मुस्कान लाने का हर संभव प्रयास करेंगे। *

अनुभूति / डॉ. ऋतु सारस्वत

मां के नाम बेटे की पाती

मां अपने बच्चों को केवल पालती-पोसती ही नहीं, बहुत सरल-सहज तरीके से उसके भीतर संस्कारों के बीज भी रोप देती है। इसका एहसास कई बार वर्षों बाद बच्चे को होता है। अपनी मां के प्रति एक बेटा ऐसी ही भावानुभूतियां पत्र के जरिए यहां व्यक्त कर रहा है।

मेरी प्यारी मां

जीवन में पहली बार आपको कुछ लिखकर भेज रहा हूं। सच कहूं तो समझ में नहीं आ रहा कि कहां से शुरुआत करूं? न जाने कितनी बार लिखा और मिटाया है, हर बार लगता है कि मेरे पास कहने के लिए हजारों शब्द हैं, पर उन्हें एक-दूसरे से जोड़ ही नहीं पा रहा। पता है मां, आज मैं बाजार गया था। पढ़ते-पढ़ते थक गया था, सोचा यूं ही थोड़ा घूम लूं। तभी मेरी नजर एक दुकान में रखे बिंदी के छोटे से पैकेट पर पड़ी और मैंने बिना कुछ सोचे ढेर सारी बिंदियां खरीद लीं। जैसे ही उन्हें हाथों में लिया, यूं महसूस हुआ जैसे आपके ममतामयी हाथ मुझे स्पर्श कर रहे हों। आपकी मुस्कुराहट मेरी आंखों के सामने घूमने लगी और मन किया कि दौड़कर आऊं और आपको जोर से गले लगा लूं। मां, आपकी बहुत याद आ रही है। मां, मुझे आज भी याद है, जब भी आप कहीं बाहर से लौटकर घर आती थीं, तो मैं दौड़कर आपकी गोद में चढ़ जाता था। सबसे पहले आपके माथे से आपकी बिंदी उतार देता था। आप हैरान होकर पूछती थीं- 'बेटा, ऐसा क्यों करते हो?' मैं मासूमियत से कह देता था- 'अगर आपके माथे पर बिंदी लगी रही, तो आप फिर से बाहर चली जाओगी' आप मुस्कुरा देती थीं। मैं आपके और करीब सिमट जाता था। पर मां, बिंदी की यह कहानी यहीं तक नहीं थी। एक दिन मैं बहुत गुस्से में स्कूल से घर लौटा था, क्योंकि मेरी गलती न होने पर भी मेरी टीचर ने मुझे बहुत डांटा था। गुस्से में मैंने कह दिया, 'मेरी टीचर बहुत गंदी है' आपने तुरंत मुझे रोका और समझाया कि बड़ों के लिए ऐसे शब्द नहीं बोलते। फिर आपने मुस्कुराकर कहा, 'और अगर शिकायत करनी भी है, तो कम से कम 'बिंदी' तो लगा लो ' आपकी यह बात सुनकर मैं टकटकी लगाकर आपको देखने लगा और मासूमियत से पूछ बैठा, 'तो क्या मां, मुझे किसी की शिकायत करने के लिए खुद बिंदी लगानी होगी?' आप मेरी बात सुनकर हंस-हंसकर लोट-पोट हो गईं और फिर बोलीं, 'अरे बुद्धू, मैं तुम्हें बिंदी लगाने के लिए नहीं कह रही और तुम बिंदी लगाओगे भी कैसे, तुम तो अभी छोटे से बच्चे हो।' मैंने भी तुरंत कहा, 'मां, मैं छोटा तो हूं ही पर मैं तो लड़का हूं, मैं बिंदी कैसे लगा सकता हूं!' मेरी यह बात सुनकर आप फिर जोर-जोर से हंसने लगीं और मैं थोड़ा खिसियाकर बोला, 'मां, प्लीज बताओ ना' तब आपने बड़े प्यार से समझाया, 'देखो, 'है' के ऊपर जब बिंदी लगती है, तो वह 'हैं' बन जाता है, और बड़ों के लिए हमेशा हमें सम्मानजनक शब्दों का इस्तेमाल करना चाहिए। 'वह आ रही है' हम अपने किसी दोस्त के लिए कह सकते हैं, लेकिन अगर किसी बड़े के लिए कहना हो, तो हमें कहना चाहिए 'वह आ रही हैं।' और ऐसे ही न जाने आपने मुझे कितने उदाहरण देकर समझाया।

मां, पता नहीं आपके शब्दों में क्या जादू था कि उसके बाद मैं कभी यह 'बिंदी' लगाना भूल ही नहीं पाया। मेरी हर बात में, हर संबोधन में अनजाने में ही वह सम्मान जुड़ता चला गया। आपकी यह 'बिंदी' सच में कमाल की है। मां, यह मुझे बहुत बार बिल्कुल अजनबियों के भी करीब ले आती है। हमारे कॉलेज के चौकीदार भैया हों या कमरे में सफाई करने वाली आंटी जब भी मैं उनसे आदर से बात करता हूं, उनके चेहरे पर जो मुस्कुराहट आती है, वह मेरे मन को एक अलग ही सुकून देती है। एक दिन आंटी ने कहा, 'भैया, आप बहुत अच्छे हैं' और उनके ये शब्द सुनकर मुझे ऐसा लगा जैसे तेज गर्मी में अचानक बारिश हो गई हो। मां, मैं बहुत दिनों से आपको यह बताना चाह रहा था कि आपकी यह 'बिंदी' सचमुच बहुत अच्छी है पर कभी मौका ही नहीं मिला। आज जब इस बिंदी के छोटे से पैकेट को हाथ में लिया, तो लगा जैसे किसी ने मेरे हाथ में कलम थमा दी हो और जो बातें इतने दिनों से मन में थीं, वे अपने आप शब्द बनकर बहने लगीं। मां, सच कहूं आपकी यह 'बिंदी' सिर्फ आपके माथे पर लगकर आपको सुंदर नहीं बनाती बल्कि यह मेरे जीवन का सबसे खूबसूरत संस्कार बन गई है, जो हर रोज मुझे एक बेहतर इंसान बनने की राह दिखाती है।

थैंक यू सो मच मां!

-आपका बेटा

गजल / डॉ. ओम निश्चल

मां का प्यार

तुम से लिपट कर सो जाऊं मां
तो दुनिया का सुख पाऊं मां।
गोद तुम्हारी ममता का गढ़
कैसे इसको झुठलाऊं मां।
पुलकित दृष्टि तुम्हारी देखूं
आंखों में ही खो जाऊं मां।
चुपके-चुपके जो गाती हो
उस रुनझुन पर बलि जाऊं मां।
मां का प्यार अलौकिक होता
किस-किस को यह बतलाऊं मां।
मुझे छुपा लो अब आंचल में
इसी सृष्टि में रम जाऊं मां।

एआई इमेज

लघुकथाएं

स्वाद मां के हाथों का

मां के हाथ के गट्टे की सब्जी का जवाब ही नहीं!' मुंह में एक कौर डालते हुए शोभा के पति राकेश बोल पड़े।

'मैं कितना भी अच्छा खाना बना लूं, पर पता नहीं क्यों इनके मुंह से मेरी प्रशंसा के एक शब्द भी नहीं निकलते?' यह सोचकर शोभा के मन में कहीं ना कहीं अपनी सासू मां के प्रति ईर्ष्या के भाव बने रहते। उसकी सासू मां इन बातों से अनभिज्ञ आए दिन अपने बेटे के लिए नए-नए पकवान बनाती रहतीं। एक बार शोभा के पिताजी की तबियत ज्यादा खराब हो गई। आनन-फानन में वह मायके चली गई। अपने आठ वर्षीय बेटे को भी साथ नहीं ले जा पाई, क्योंकि उसके एग्जाम चल रहे थे। करीब दस दिन वह अपने मायके में रही। पिताजी की तबियत में सुधार होते ही वह अपने घर लौट आई। जैसे ही वह घर आई, उसका बेटा उससे लिपट गया और बड़ी ही मासूमियत से बोला, 'मम्मा आप इतने दिनों के लिए क्यों चली गई थीं? मुझे दादी के हाथ का खाना बिल्कुल भी अच्छा नहीं लगता था।' 'वो क्या है न बहू, बच्चों को अपने मां का हाथ का खाना ही अच्छा लगता है, क्योंकि बच्चा शुरू से ही अपनी मां के हाथ का खाना ज्यादा खाता है। इसलिए उसके मुंह में वहीं स्वाद चढ़ जाता है। इसके अलावा मां का स्नेह और अपनापन भी तो उस खाने में शामिल होता है।' उसकी सासू मां ने सहज स्वर में कहा। 'इतनी छोटी-सी बात वह कैसे नहीं समझ पाई और बेवजह मां-बेटे से हमेशा चिढ़ती रही।' शोभा मन ही मन में बोली। शोभा के पति उसकी भाव-भंगिमा देखकर उसके अंदर चल रहे भावों को भांप गए। इसलिए उसे देखकर मुस्कुराते हुए बोले, 'तुम भी बहुत अच्छा खाना बनाती हो, वो तो मैं तुम्हें चिढ़ाने के लिए तुम्हारे सामने मां की तारीफ करता रहता हूं।' 'अच्छा...जाइए मैं आपसे बात नहीं करूंगी।' कहकर वह गुस्से में अपने कमरे में चली गई। इस पर राकेश भी उसे मनाने के लिए उसके पीछे-पीछे कमरे में पहुंच गए। *

-शीला श्रीवास्तव

पैसे हैं पर मां नहीं

साहब, मेरी पासबुक देखकर बताइए, क्या खाते में पैसे आए हैं?' बूढ़ी महिला ने गिड़गिड़ाते हुए बैंक क्लर्क प्रमोद से विनती की। 'मांजी, आप से कितनी बार कहा कि आपके खाते में बैलेंस ही नहीं है!' प्रमोद झुंझला कर बोला। 'साहब, मैं बहुत गरीब हूं। खाने-पीने के भी पैसे नहीं हैं। मेरा बेटा हर महीने मुझे तीन हजार रुपए भेजता है।' बूढ़ी औरत रोते हुए बोली। 'भेजता रहा होगा, लेकिन पिछले तीन महीनों से उसने एक भी रुपया नहीं भेजा है, माता जी। मैं आपको पैसे कहां से दे दूं?' प्रमोद झल्लाते हुए बोला। उसकी तेज आवाज सुनकर मैनेजर रूपांग मेहता ने अपने केबिन से बाहर आकर पूछा, 'क्या बात है प्रमोद, मांजी को क्या परेशानी है?' 'सर, ये मांजी रोज आकर बैलेंस चेक करने को कहती हैं। इनके खाते में पैसा ही नहीं है, मैं क्या करूं?' प्रमोद ने जवाब दिया। मेहता साहब ने बूढ़ी महिला की ओर देखा। लगभग सत्तर साल की उस महिला की फटी साड़ी, टूटा चश्मा और हाथ में लाठी, उनकी गरीबी को बयां कर रही थी। 'मांजी, आप रोज क्यों आती हैं?' मेहता साहब ने पूछा। वह बूढ़ी महिला बोली, 'मेरा नाम सविता है साहब। दस साल पहले मेरे पति की शराब पीने की वजह से मौत हो गई थी। मैंने चार घरों में काम करके अपने बेटे मयंक को पढ़ाया और उसे कंप्यूटर इंजीनियर बनाया। पिछले साल उसकी शादी हुई और अब वह बेंगलुरु में नौकरी करता है। वह हर महीने तीन हजार रुपए भेजता था, लेकिन तीन महीने से खाते में पैसे आ ही नहीं रहे है। लगता है शायद पैसे गलती से किसी और खाते में जा रहे होंगे। मेरे पास दवा और खाने के भी पैसे नहीं हैं। आंखों में भी मोतियाबिंद है, काम भी नहीं हो पाता।' यह कहते हुए सविता रो पड़ी। मेहता साहब का दिल भर आया। उन्होंने पूछा, 'क्या आप के पास बेटे का नंबर है?' सविता ने एक मुड़ा-तुड़ा कागज उनकी ओर बढ़ा दिया। मेहता साहब ने उस नंबर पर फोन लगाया। दूसरी ओर से फोन उठा तो वह बोले, 'हैलो, मयंक से बात करवा दीजिए।' दूसरी तरफ से किसी महिला ने पूछा, 'मैं उनकी पत्नी माया बोल रही हूं, मयंक बाहर गए हैं। आप कौन बोल रहे हैं?' 'मैं बिलासपुर से बैंक मैनेजर रूपांग मेहता बोल रहा हूं। आपकी सास यहां आई हुई हैं, मयंक ने तीन महीने से उन्हें पैसे नहीं भेजे क्या?' 'अरे सर, कब तक पैसे भेजते रहेंगे उनको? हमारी भी जरूरतें हैं। हम लोग सिंगापुर घूमने का प्लान बना रहे हैं।' माया ने बेरुखी से कहा। 'लेकिन मांजी के पास खाने और दवा के पैसे भी नहीं हैं!' मेहता साहब थोड़ा तल्खी से बोले। 'तो हम क्या करें? क्या हमने उनका ठेका ले रखा है? कहीं भी चली जाएं, किसी वृद्धाश्रम में क्यों नहीं चली जातीं?' इतना कहकर माया ने फोन काट दिया। यह सुनकर मेहता साहब स्तब्ध रह गए। कैसे बेटे-बहू हैं? उन्होंने माताजी से बिना कुछ कहे अपने खाते से तीन हजार रुपए निकाले और सविता को देते हुए कहा, 'लो मांजी, आपके बेटे ने पैसे भेज दिए हैं।' सविता की आंखों में खुशी के आंसू छलक उठे, 'भगवान आप का भला करे।' कह कर वह रो पड़ी। 'अब आप का बेटा हर महीने पैसे भेजेगा।' मेहता साहब बोले। सविता खुश होकर चली गई। उनके जाने के बाद प्रमोद ने आश्चर्य से पूछा, 'सर, आपने अपने पास से पैसे दे दिए?' मेहता साहब भावुक होकर बोले, 'मैं भी गरीब परिवार से हूं। मेरे पिता की मृत्यु के बाद मेरी मां ने मजदूरी करके मुझे पढ़ाया। मैं सोचता था कि जब पैसे कमाऊंगा तो मां के सारे सपने पूरे करूंगा। लेकिन सात साल पहले जब मेरी नौकरी लगी तभी मेरी मां चल बसीं। जब मां थी, तब पैसे नहीं थे और आज पैसे हैं, पर मां नहीं हैं। इसीलिए इस मां की बेबसी मुझसे देखी नहीं गई।' *

-वीरेंद्र बहादुर सिंह

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

ताकि बचा रहे आदमीपन

हाल में युवा कवयित्री रूपम मिश्र का दूसरा कविता संग्रह 'हंसी और देस' प्रकाशित होकर आया है। ये कविताएं हमारे समय, समाज और देश की तमाम स्याह-श्वेत छवियां उजागर करती हैं। देशज भाषा के रचाव और लोकजीवन के राग ने इन कविताओं के निहितार्थ को और भी प्रभावी बना दिया है। *'जीत के आसार न देखते हुए भी लड़ना/ लड़ाई की परंपरा को जिंदा रखना था।'* जैसी पंक्तियां उस सतत संघर्ष को प्रतिबिंबित करती हैं, जो आदमीपन को बचाए रखने के लिए जरूरी है। यहां स्त्री विमर्श की कोरी नारेबाजी नहीं, सदियों पुरानी उस कंडीशनिंग की पड़ताल की गई है, जिसने स्त्रियों के एक वर्ग को चेतनाशून्य बनाकर हर हाल में पुरुषों की सेविका बनने को बाध्य कर रखा है। *'जो मार खा लेती हैं फिर उठकर उन्हीं मर्दों के लिए सबसे अच्छा अचार/सबसे ज्यादा स्वाद वाली सब्जी बना देती हैं।'* प्रेम को भी रूपम, बनी-बनाई परिभाषा से इतर बिल्कुल अलग भावभूमि पर उतरकर महसूसती और व्यक्त करती हैं। इसकी बानगी *'हमने देखा एक-दूसरे को ऐसे जैसे/भूख की यातना में जिया मनुष्य रोटी को देखता हो।'* जैसी पंक्तियों में देखी जा सकती है। *

पुस्तक: हंसी और देस (कविता संग्रह), **लेखिका:** रूपम मिश्र,
मूल्य: 250 रुपए, **प्रकाशक:** लोकभारती पेपरबैक्स, प्रयागराज

नैसर्गिक सौंदर्य से समृद्ध खूबसूरत देश किर्गिस्तान

घूमना किसे अच्छा नही लगता! खासकर जब नैसर्गिक सौंदर्य से समृद्ध देश में जाने का अवसर मिले। मध्य एशिया में स्थित किर्गिस्तान ऐसा ही एक छोटा सा और बेहद खूबसूरत देश है। हाल में एक सप्ताह की किर्गिस्तान यात्रा से लौटीं लेखिका वहां के अनुभव साझा कर रही हैं अपनी जुबानी।

ट्रैवलॉग

सोनल भारद्वाज

आमतौर पर कहा जाता है कि दुनिया में यदि कहीं स्वर्ग है तो वह देश है स्विटजरलैंड। वैसे हमारा कश्मीर भी कौन सा कम है! लेकिन किस्मत से हाल में हमें एक नए स्वर्ग से रूबरू होने का अवसर मिला, जिसे किर्गिस्तान के नाम से जाना जाता है। इसे मध्य एशिया का स्विटजरलैंड कहते हैं। इस देश का 90 प्रतिशत इलाका पहाड़ी है, जबकि मात्र 10 प्रतिशत आवासीय। 7.50 मिलियन आबादी वाला यह देश सोता कम है, जागता ज्यादा है क्योंकि यहां सूरज शाम 7.30 से 8 के बीच ढलता है।

साफ-सुथरा शहर राजधानी बिश्केक: जब हमारी फ्लाइट ने किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक के एयरपोर्ट में लैंड किया तो वहां का मौसम बड़ा खुशगवार दिखा। तापमान मात्र आठ डिग्री। बारिश ने हमारा वहां स्वागत किया। अकसर अप्रैल-मई के महीने में वहां बारिश होती है। हल्की ठंड और बारिश की वजह से अप्रैल के महीने में हमें जुलाई-अगस्त का अनुभव हुआ।

एयरपोर्ट से बाहर जिस टैक्सी पर हम बैठे, उसका चालक थोड़ी-बहुत इंग्लिश जानता था, तो हमारा काम आसान हो गया। वैसे वहां के लोग भारतीय फिल्म कलाकारों के बहुत दीवाने हैं। टैक्सी ड्राइवर न केवल थोड़ी-बहुत हिंदी भी बोल ले रहा था बल्कि उसकी टैक्सी में भारतीय फिल्मों के गाने भी बज रहे थे, जिसे हम भी गुनगुनाने लगे।

परिश्रमी-अनुशासित लोग: बिश्केक में घूमने के दौरान हमने महसूस किया कि किर्गिस्तान के नागरिक मेहनती, अनुशासित और स्वच्छता-पसंद हैं। वे ट्रैफिक नियमों का पूरा पालन करते हैं, यही वजह रही है कि हमने जहां एक तरफ गाड़ियों की कतारें देखीं लेकिन कोई हॉर्न बजाता नहीं सुना। व्यस्ततम सड़कों पर जहां एक तरफ गाड़ियों के काफिले थे तो उसी रोड पर बच्चों को बेहिचक साइकिलिंग करते भी देखा। 4 से 5 साल तक के बच्चे भी आराम से सड़कों पर साइकिल पर घूमते मस्ती करते हुए दिखे, क्योंकि सब ट्रैफिक रूल का पालन करते हैं। इसलिए वहां दुर्घटना की संभावना भी काफी कम रहती है। वहां पार्कों में बहुत शांति, धैर्य के साथ ज्यादातर महिला पुरुष अपने छोटे-छोटे बच्चों के साथ बैठे बात करते नजर आते हैं। सड़क के बीचों-बीच पार्कों में चहलकदमी करना इस देश के लोगों को खूब पसंद है। बिश्केक शहर साफ-सुथरा दिखता है, इसकी बड़ी वजह है यहां किसी को गंदगी फेंकते या थूकते हुए देखे जाने पर पांच हजार रुपए का जुर्माना लगता है। शहर में कई बाग-बगीचे हैं। स्थानीय नागरिक इनका उपयोग टहलने, मनोरंजन करने और जॉगिंग करने में करते हैं।

तियान शान पर्वतमाला में स्थित इसिक कूल झील

दुनिया की सबसे बड़ी प्राइवेट मेडिकल यूनिवर्सिटी: एयरपोर्ट से होटल पहुंचने तक राजधानी बिश्केक की खूबसूरती के हमने कई नजारे देखे। भारतीय दूतावास पर अपना राष्ट्र ध्वज तिरंगा लहराते देखना, हमारी यात्रा का सबसे गौरवशाली दृश्य था। गीत याद आ गया, 'ऐ देश मेरे, तेरी शान पे सदके...।' कुछ ही देर में हम होटल पहुंच गए। चेकइन करने, फ्रेश होने के बाद हम इंटरनेशनल हायर स्कूल ऑफ मेडिसिन संस्थान (आईएचएसएम) के परिसर की ओर निकल पड़े। बताते चलें कि हम किर्गिस्तान, शैक्षणिक भ्रमण पर गए थे। रूस और किर्गिस्तान, विश्वस्तरीय शिक्षा संस्थान के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध हैं। इन्हीं में से एक इंस्टीट्यूट है आईएचएसएम। संस्थान के प्रबंधन ने हमारा स्वागत किर्गिस्तानी रिवाज से किया। स्थानीय युवाओं ने हमें लोकल फोक म्यूजिक 'अलदशपा' सुनाया तो हम सब झूम उठे। हमारी टीम ने वहां पर अध्ययनरत भारतीय विद्यार्थियों से देर तक मुलाकात की। इस संस्थान में भारतीय छात्रों के अलावा, अमेरिका, रूस, जॉर्जिया, चीन, पाकिस्तान जैसे देशों से छात्र एमबीबीएस करने आते हैं, क्योंकि चिकित्सा शिक्षा यहां पर ज्यादा सस्ती और सरल है। आईएचएसएम, किर्गिस्तान में सन 2003 में स्थापित प्राइवेट इंस्टीट्यूट्स में सबसे बड़ा संस्थान है। यहां कैंपस का माहौल, खान-पान, भाषा और संस्कृति, पूरी तरह हिंदुस्तानी परिवेश जैसा लगता है।

इसिक कूल झील-तियान शान पर्वतमाला: आईएचएसएम देखने के बाद हम तियान शान पर्वतमाला के विशाल पहाड़, दुनिया की सबसे ऊंचाई वाले इलाके में स्थित इसिक कुल झील और मनमोहक घाटियां देखने, वहां की सांस्कृतिक विरासत को महसूस करने के लिए लालायित थे। ऊंची पर्वतमालाओं के बीच टेढ़े-मेढ़े रास्तों से गुजरते हुए लगभग 4.30 घंटे के सफर के बाद हम इसिक कूल झील पहुंच गए। किर्गिज भाषा में इसीक्कुल का अर्थ होता है 'गरम झील' जो उत्तर-पूर्वी किर्गिस्तान में, तियान शान पर्वतमाला के बीचों-बीच स्थित है। यह कैस्पियन सागर के बाद दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी खारे पानी की झील है। यह झील, गहराई के मामले में भी दुनिया में सातवें नंबर पर आती है। ऐतिहासिक प्रमाण बताते हैं कि झील की गहराई में 2,500 साल पुराने एक प्राचीन शहर के अवशेष मिले हैं, जो कभी सिल्क रूट (रेशम मार्ग) का एक प्रमुख व्यापारिक केंद्र था। झील के अलावा यह क्षेत्र अपने क्रिस्टल-क्लियर पानी, बर्फ से ढंकी चोटियों, पैरासेलिंग व ट्यूबिंग जैसी रोमांचक गतिविधियों के लिए भी प्रसिद्ध है। हमने यहां काफी देर रुककर तियान शान और पामीर-अलाई पर्वतमालाओं के भी दर्शन किए। किर्गिज नागरिक प्रकृति से बेहद प्यार करते हैं इसलिए उन्होंने जंगल, पहाड़, नदियों को बचाए रखा है। यही नहीं स्थानीय नागरिकों के आवास भी हरियाली से सजे दिखाई देते हैं।*

भारतीय व्यंजनों का मिला आनंद

किर्गिस्तान का खान-पान पूरी तरह मांसाहार पर केंद्रित है, लेकिन राजधानी बिश्केक में 4 से 5 इंडियन रेस्टोरेंट भी हैं, जो भारतीयों द्वारा ही संचालित किए जा रहे हैं। यहां खाना बनाने वाले शेफ भी भारत से ही बुलाए गए हैं, ताकि भारतीय स्वाद यहां आने वाले छात्रों और अन्य लोगों को मिल सके। यहां पाकिस्तानी नागरिक भी काफी संख्या में हैं। किर्गिस्तान में ड्राय फ्रूट्स और फ्रूट्स बहुत अच्छी क्वालिटी के मिलते हैं, क्योंकि यहां की जमीन में लोग केमिकल उर्वरकों का इस्तेमाल नहीं करते हैं। किर्गिस्तान मूल रूप से मुस्लिम कंट्री है, लेकिन यह मुस्लिम देश होते हुए भी यह महसूस ही नहीं होने देता कि किसी एक परंपरा या धर्म से बंधा हो। किर्गिस्तान में महिला और पुरुष को समान दृष्टि से देखा जाता है, सभी को बराबरी का हक है। स्थानीय बाजारों में महिलाएं व्यापार करती खूब दिखाई देती हैं। अपनी यात्रा के अनुभव के आधार पर हम कह सकते हैं कि केवल नैसर्गिक सौंदर्य के मामले में ही नहीं महिला अधिकार और स्वतंत्रता के मामले में भी दुनिया के लिए किर्गिस्तान, आदर्श देश माना जा सकता है।

सेल्फ इंप्रूवमेंट

नरेंद्र कुमार

वर्कप्लेस कोई भी हो एंप्लॉई की इंपॉर्टेंस उसके वर्किंग स्टाइल और उसके बिहेवियर से तय होती है। अगर आप भी चाहते हैं कि वर्कप्लेस पर आप सबसे इंपॉर्टेंट एंप्लॉई माने जाएं तो आपको यहां बताए जा रहे सजेशंस को फॉलो करना होगा।

फॉलो करें ऐसी वर्किंग स्टाइल ऑफिस में बढ़ाएं अपनी इंपॉर्टेंस

हर वर्किंग प्रोफेशनल की यह चाहत होती है कि ऑफिस में उसकी इमेज, उसकी वैल्यू दूसरों से अच्छी हो। इंपॉर्टेंट एंप्लॉइज में उसकी गिनती हो। इंपॉर्टेंट एंप्लॉई बनने के लिए खुद को ऐसा बनाएं कि आपके बिना काम स्मूदली न हो पाए या कोई भी जरूरी फैसला लेते समय आपको उसमें शामिल करना जरूरी हो जाए। याद रखिए, यह पोजीशन किसी को खुद ब खुद नहीं मिल जाती बल्कि इस स्थिति में पहुंचने के लिए स्मार्ट और समझदारी से काम करना होता है। इसके अलावा आपमें कुछ क्वालिटीज का होना भी जरूरी है।

रिप्लेसेबल से इरिप्लेसेबल बनिए: हर दफ्तर के दो तरह के एंप्लॉई होते हैं, एक जो केवल अपना काम करते रहते हैं। दूसरे ऐसे एंप्लॉई जिनके बिना ऑफिस के कई काम अटक जाते हैं, कोई बड़ा फैसला नहीं लिया जा सकता है। आपको यह दूसरा कर्मचारी बनना है ताकि आपकी गिनती ऑफिस के सबसे महत्वपूर्ण एंप्लॉइज में हो। ऐसा बनने के लिए आपको कुछ बातें अमल में लानी चाहिए। जैसे दफ्तर में आपका जो दायित्व है, उसके एक्सपर्ट बन जाएं। ऐसी स्किल में कमांड हासिल करें, जो ऑफिस में दूसरे लोगों के पास न हो। ।

प्रॉब्लम सॉल्वर बनिए: दफ्तर में अधिकतर लोग समस्या बताने में माहिर होते हैं। लेकिन इंपॉर्टेंट एंप्लॉई उसे माना जाता है, जो बॉस को प्रॉब्लम तो बताए, साथ ही यह भी कहे कि इस प्रॉब्लम को कैसे सॉल्व किया जा सकता है। हर बॉस को अपने अंडर ऐसे सहयोगी चाहिए होते हैं, जो केवल प्रॉब्लम्स के बारे में ही न बताए, पर उन गलतियों को हल करने की काबिलियत भी रखे। अगर आपको ऑफिस में इंपॉर्टेंट बनना है तो प्रॉब्लम सॉल्वर बनिए, न कि प्रॉब्लम रिपोर्टर।

जिम्मेदार बनिए: जो भी काम आपको मिले, उसे जिम्मेदारी से पूरा करें। उसे न करने या टालने के बहाने न बनाएं। तय समय सीमा के भीतर अगर काम नहीं होता, तो काम करने का भी कोई महत्व नहीं रह जाता है। इसलिए डेडलाइन के भीतर काम पूरा करने की आदत डालें।

काम दिखना भी चाहिए: यह सच है कि अगर आप दिखेंगे नहीं, तो आप महत्वपूर्ण भी नहीं माने जाएंगे। इसलिए काम करें और दफ्तर में महत्वपूर्ण समय पर मौजूद रहें। अपने किए हुए काम की अपडेट उन लोगों तक पहुंचाएं, जिनको आपके द्वारा किए गए काम से मतलब है। बॉस के साथ होने वाली मीटिंग में बोलें और अपनी बात को संक्षिप्त और स्पष्ट तरीके से सबके सामने रखें। वैल्यू और विजिबिलिटी मिलकर ही किसी एंप्लॉई को उसके वर्कप्लेस में महत्वपूर्ण बनाती है।

बॉस के 'गो टू पर्सन' बनिए: हर दफ्तर में एक या दो लोग ऐसे होते हैं, जिन पर बॉस आंख मूंदकर भरोसा करते हैं, क्योंकि जब-जब मौका मिला, उन्होंने खुद को इसके लायक सही साबित किया होता है। बॉस का 'गो टू पर्सन' बनना मुश्किल नहीं है, सिर्फ करना यह होता है कि बॉस द्वारा दिए गए काम को समय पर, साफ-सुथरे ढंग से और परफेक्ट तरीके से करें ताकि बॉस के काम को आप आसान बना सकें।

अपने संवाद कौशल को बढ़ाएं: अगर दफ्तर का महत्वपूर्ण कर्मचारी बनना है तो संवाद कला में माहिर होना भी जरूरी है। बात साफ और संक्षिप्त करें। अपने ई-मेल और मैसेज प्रोफेशनल रखें। लोगों को कोई बात समझानी हो तो इस तरह समझाएं कि उन्हें आसानी से आपकी बात समझ में आ जाए। अगर आपमें यह क्षमता है, तो आप निश्चित ही अपने वर्कप्लेस के महत्वपूर्ण एंप्लॉई हैं।

लोगों से कनेक्ट रहें: प्रोफेशनल लाइफ में भी पर्सनल कनेक्शन बनाना जरूरी होता है। जहां भी रहें, वहां हमेशा महत्वपूर्ण लोगों के साथ अपना एक कनेक्ट डेवलप करें। अगर किसी कंपनी के एक विभाग में काम कर रहे हैं, तो अन्य विभाग के कुलीग्स से भी कनेक्ट करें। ये कुछ ऐसे गुण हैं, जिनके होने पर आप अपने दफ्तर के महत्वपूर्ण कर्मचारी बन जाएंगे।*

आज के डिजिटल दौर में रिश्तों की दूरियां कम करने में तकनीक की बड़ी भूमिका हो गई है। तकनीक, मां और उनके दूर रह रहे बच्चों के बीच संवाद को भी नया आयाम दे रही है। इसके विविध पहलुओं पर एक नजर।

डिजिटल दौर में मिल रहा मां-बच्चे के रिश्ते को नया आयाम

टेक्नो-इंपैक्ट

नम्रता नदीम

एक समय था, जब मां की आवाज घर के आंगन से आती थी, रसोई से आती थी, दरवाजे के पार वाली देहरी से आती थी और चेहरे की झलक से ही सारे स्नेह की भाषा पढ़ ली जाती थी। आज बच्चे पढ़ाई के लिए, नौकरी या बेहतर अवसरों की तलाश में, घर से दूर दूसरे शहर या दूसरे देशों में भी रह रहे हैं। ऐसे में मांएं अपने बच्चों से आधुनिक संचार तकनीक के जरिए ही जुड़ी होती हैं। ऐसे ही तकनीकी साधनों में व्हाट्सएप, वीडियो कॉल और सोशल मीडिया के तमाम दूसरे माध्यम उपलब्ध हैं।

डिजिटल युग में रिश्तों का नया आयाम: आज तकनीक बदल गई है, जीवन जीने का ढंग बदल गया है। डिजिटल युग ने रिश्तों को एक नया आयाम दिया है और इसमें मां का उसके बच्चों के साथ रिश्ता भी शामिल है। वास्तव में सूचना तकनीक ने बच्चों और मां के रिश्तों में अभूतपूर्व बदलाव ला दिया है। आज बच्चे देश-विदेश में कहीं हों, जब उन्हें मां की याद आती है, झट वीडियो कॉल लगा देते हैं और सामने मां दिखने लगती है। मां को सामने देखते हुए बात करने पर लगता है कि जैसे कोई दूरी ही न हो। बच्चों को यह एहसास होता है कि जैसे मां उनके बिल्कुल करीब बैठी, उनसे बतिया रही है। उसके चेहरे की हर भाव-भंगिमा को पढ़ने की सुविधा भी नई तकनीक ने उपलब्ध करवा दी है। आज शहर के साथ-साथ ग्रामीण इलाकों में रहने वाली मांएं अपने बच्चों के साथ सहजता से स्मार्ट फोन चलाती हैं। अपने बच्चों को तरह-तरह के व्हाट्सएप मैसेज भेजती हैं। वीडियो कॉल करके उनके हालचाल पूछना, यह जानना कि खाना खाया कि नहीं, खाना खाया तो क्या खाया? और इस सबको सिर्फ सुनने में ही नहीं अपनी आंखों से भी देखने का सुख मांएं आधुनिक मीडिया तकनीक के जरिए ले रही हैं।

सुकून देता है यह बदलाव: आज के दौर की मांओं का अपने बच्चों के साथ डिजिटल रिश्ता बड़ा दिलचस्प हो गया है। वे इसके जरिए न सिर्फ बच्चों के साथ संपर्क में रहती हैं बल्कि आधुनिक जीवन की सारी जरूरी गतिविधियों को भी सीखती हैं या सीखने की कोशिश करती हैं। मैसेजिंग, इमोजी आदि अभिव्यक्ति के इन नए तरीकों से मांएं भी समृद्ध हो रही हैं और इनके बच्चे भी। जब मांएं और बच्चे एक-दूसरे से ऑडियो कॉल पर बात करते हैं, उस समय मां का 'मैं ठीक हूं' कहना और वीडियो कॉल पर 'हां, मैं ठीक हूं' कहने में फर्क होता ही नहीं दिखता भी है। वीडियो कॉल में साफ दिखता है कि मां वाकई ठीक है या नहीं। यह तकनीकी बदलाव सुकून देता है, क्योंकि भले मां और उसके बच्चे के बीच दूरी हो, लेकिन भावनाओं का जुड़ाव इस दूरी के बाद भी डिजिटल तकनीक के जरिए बना रहता है।

ऐसे में बच्चों का भी फर्ज बनता है कि जब वे मां से बात करें तो सिर्फ उसमें शब्द ही न हों या सिर्फ संदेश ही न भेजे जाएं बल्कि मां से बात करने के जरिए अपनी उपस्थिति को भी व्यक्त करें। उन्हें बिना किसी कारण और बिना किसी अनुमान के फोन करें और देर तक बातें करें। इससे मां को बहुत खुशी मिलेगी।

मेल-मिलाप भी है जरूरी: अगर मां आधुनिक डिजिटल तकनीक से पूरी तरह अनभिज्ञ हो, तो कई बार उनके लिए यह बदलाव जटिल हो जाता है। उन्हें व्हाट्सएप्प यूज करना या वीडियो कॉल करना उलझन भरा लग सकता है। इन तकनीकों का उपयोग आज भले ही आम हो गया है, लेकिन मां की भावनाएं अब भी पारंपरिक हैं। देखा जाए तो तकनीक ने संवाद को चाहे जितना आसान बनाया हो, लेकिन संवाद की गइराई को कम कर दिया है। मांएं अपने बच्चों के साथ गहरा भावनात्मक जुड़ाव चाहती हैं। मां-बच्चे का भले ही लगातार फोन से संपर्क बना रहे। इस फोन से रिश्तों का कारवां भले ठीकठाक चलता दिखे, लेकिन मां-बच्चे के इस रिश्ते में वास्तविक मेल-मिलाप बहुत जरूरी होती है। तकनीक चाहे जितनी जीवंत लगे, मां के साथ साल में कुछ दिन जरूर गुजारें। इससे इस डिजिटल दौर में मां और आपके बीच रिश्तों की ऊर्जा जीवंत बनी रहेगी। यानी तकनीक का उपयोग करने पर भौतिक संपर्क की महत्ता को अनावश्यक मानना गलत है। इसलिए जब आप वास्तव में अपनी जॉब या पढ़ाई की वजह से दूर हों तब तो तकनीक का यूज ठीक है लेकिन मौका मिलने पर मां से जरूर मिलें।*

तकनीक से मिलता है मां को सुकून

- विभिन्न सर्वेक्षणों के दौरान यह देखा गया है कि 99 फीसदी मांएं घर से बाहर रह रहे अपने बच्चों से हर दिन बातें करती हैं। इनमें से करीब आधी तो हर दिन एक बार वीडियो कॉल भी करती हैं।
- जब मांएं डिजिटल तकनीक के जरिए बच्चों से वीडियो कॉल के जरिए बात करती हैं, तो वह सिर्फ उनका चेहरा भर नहीं देखतीं, उनकी खुशी, उनका दुःख, उनकी सेहत सब कुछ वो देख लेती हैं, इससे उन्हें सुकून और तसल्ली मिलती है।

मातृ दिवस विशेष

सिने ट्रेंड

हर्ष

हिंदी फिल्मों और फिल्मी गीतों में मां के महत्व को खूबसूरती और प्रमुखता से उभारा जाता रहा है। खासतौर पर फिल्मों में मां पर केंद्रित कई ऐसे हृदयस्पर्शी गीत रचे गए हैं, जो सीधे दिल में उतरते हैं। मां पर केंद्रित दिल को छू लेने वाले ऐसे ही कुछ फिल्मी गीतों पर एक नजर।

मां को समर्पित गीतों से गुलजार है बॉलीवुड

मां और बच्चे का संबंध बीज और वृक्ष के संबंध जैसा गहरा, विस्तृत और अविवेचनीय होता है। इसलिए मां और बच्चे के बीच अनोखे रिश्ते को शब्दों में व्यक्त कर पाना आसान नहीं है। फिर भी बॉलीवुड फिल्मों में अनेक गीतकारों ने समय-समय पर इस अनोखे प्यारे रिश्ते को अपने भावपूर्ण गीतों में व्यक्त किया है।

तुझे सब है पता, है न मां: प्रसून जोशी का लिखा और शंकर महादेवन का गाया गाना *'तुझे सब है पता, है न मां..'* फिल्म 'तारे जमीन पर' का है। यह गीत हर किसी के दिल को छूता है। जैसे यह गीत न हो हर बच्चे के दिल से निकली आवाज हो। हम सब ऐसे ही तो होते हैं बचपन में, जो बात अपनी मां से किसी कारणवश नहीं कह पाते उस बात को भी हमारी मां जान लेती है। भूख लगने पर हमें क्या खाना है, यह हमसे बेहतर हमारी मां को पता होता है। हमारी खुशी-गम, डर-चिंता, पसंद-नापसंद सब से वाकिफ होती है हमारी मां। *'मैं तुझे बतलाता नहीं, पर अंधेरे से डरता हूं मैं मां/तुझे सब है पता, है न मां'* एक बच्चे की मासूम पुकार है यह गीत, जो हर मां की रूह तक पहुंचता है।

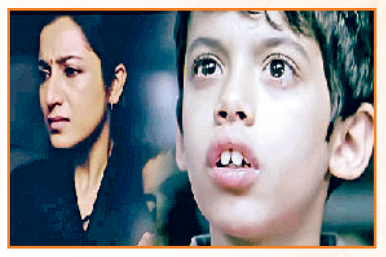

फिल्म 'तारे जमीं पर'

फिल्म 'रंग दे बसंती'

तू कितनी अच्छी है, तू कितनी भोली है: 'राजा और रंक' फिल्म का यह गीत *'तू कितनी अच्छी है, तू कितनी भोली है..'* अभिनेत्री निरूपा राय और बाल कलाकार महेश कोठारे पर फिल्माया गया है। लता मंगेशकर की मनमोहक आवाज ने गाने के बोल में मां के लिए प्रयोग किए गए प्रतीकों और शब्दों को और भी मुलायम और हृदयस्पर्शी बना दिया है। मां असल में क्या होती है, उसकी विशाल हृदयता और उसकी ममता की उदात्तता को इस छोटे से गीत में समेट कर गागर में सागर भर दिया गया है। आनंद बख्शी के लिखे इस गीत को संगीतबद्ध किया है संगीतकार जोड़ी लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल ने।

फिल्म 'राजा और रंक'

तेरी उंगली पकड़ के चला, ममता के आंचल में पला: 'लाडला' फिल्म का गीत *'तेरी उंगली पकड़ के चला, ममता के आंचल में पला..'* एक बेटे की भावुक स्वीकारोक्ति है। वह स्वीकार करता है कि जीवन पथ पर उसकी मां ने उसे चलना सिखाया। जीवन के इस सफर में मिलने वाली धूप से बचाने के लिए हर वक्त मां ने उसे अपनी ममता की छांव तले सहेज कर रखा। मां के बिना उसका जीवन कुछ भी नहीं। मां और उसके बेटे के बीच मधुर रिश्ते की चाशनी में

फिल्म 'लाडला'

छनकर निकला यह गीत जितना अर्थपूर्ण है उतना सुरीला भी। यह गीत फरीदा जलाल और अनिल कपूर पर फिल्माया गया है। समीर के लिखे इस गीत को उदित नारायण और ज्योत्सना ने अपनी आवाज दी है।

लुका छुपी बहुत हुई, सामने आ जा ना: फिल्म 'रंग दे बसंती' में प्रसून जोशी का लिखा गीत, *'लुका छुपी बहुत हुई, सामने आ जा ना..'* बेटे की मौत पर एक मां की व्याकुलता और ममता को एक साथ जोड़ने का कमाल करता है। गीत में मां अपने बेटे से संवाद करते हुए कहती है, *'लुका छुपी बहुत हुई/सामने आ जा ना/कहां-कहां ढूंढा तुझे/थक गई है तेरी मां'*।

गीत के दृश्य में बेटे की चिता सामने जल रही है और मां इस सदमे से अपनी सुध-बुध खो बैठती है। उसके कलपते हृदय से बोल निकल रहे हैं- *'आजा सांझ हुई मुझे तेरी फिकर/धुंधला गई देख मेरी नजर आ जा ना।'* आंखों को नम कर देने वाले इस भाव पूर्ण गीत को गाया है स्वर सम्राज्ञी लता मंगेशकर और एआर रहमान ने।

मां जैसी दुनिया में है कोई कहां: गीतकार अंजान का लिखा और किशोर कुमार का गाया लोकप्रिय गीत *'मां जैसी दुनिया में है कोई कहां..'* फिल्म 'पांच कैदी' का है। इस गीत के जरिए यह भाव प्रकट किया गया है कि मां जैसा दुनिया में कोई नहीं हो सकता। इसीलिए मां को धरती पर साक्षात ईश्वर का स्वरूप माना जाता है। इसीलिए तो मां का स्थान सबसे ऊपर माना जाता है। इन सभी भावों को इस गीत की आगे की पंक्तियों में बड़ी ही खूबसूरती से पिरोया गया है, *'मां तो है मां/मां तो है मां/मां जैसी दुनिया में है कोई कहां/ओ मां ओ मां//मां तू ही मंदिर/मां तू ही पूजा/पूजा का वरदान मां/ये लोक तू है/परलोक तू है/तुझमें है दोनों जहां।'*

फिल्म ' पांच कैदी'

ऐ मां, तेरी सूरत से अलग भगवान की सूरत क्या होगी: मां को भगवान के समतुल्य मानने वाले भावों को वर्ष 1966 में प्रदर्शित हुई फिल्म 'दादी मां' के एक गीत में भी व्यक्त किया गया है। उस गीत के बोल हैं *'ऐ मां, तेरी सूरत से अलग भगवान की सूरत क्या होगी। उसको नहीं देखा हमने कभी पर इसकी जरूरत क्या होगी..'* मजरूह सुल्तानपुरी के इस भावपूर्ण गीत को संगीत से संवारा था रोशन ने और अपनी आवाज दी थी, महेंद्र कपूर और मन्नाडे ने।*